सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
Savitribai Phule Pune University, Pune

हिंदी पाठ्यक्रम
Hindi Syllabus

संबंद्ध महाविद्यालयों के लिए
For Affiliated colleges

बी. ए. तृतीय वर्ष कला
(पंचम एवं षष्ठ अयन)
Fifth & Sixth Semester

शैक्षिक वर्ष
Academic year

2021-2022

अनुक्रम

बी. ए. तृतीय वर्ष कला

पंचम एवं षष्ठ अयन **(Fifth & Sixth Semester)**

शैक्षिक वर्ष 2021–22 से

कोर्स नं.	पंचम एवं षष्ठ अयन	क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
बी. ए. तृतीय वर्ष कला			
Core Course -1E (G-3)	कथेतर विधाएँ (पंचम अयन)	3	
Core Course -1F (G-3)	गज़ल विधा और पत्राचार (षष्ठ अयन)	3	
बी. ए. तृतीय वर्ष कला – वैकल्पिक प्रयोजनमूलक हिंदी			
Core Course -1E (G-3)	प्रयोजनमूलक हिंदी : कार्यालयीन व्यवहार (पंचम अयन)	3	
Core Course -1F (G-3)	प्रयोजनमूलक हिंदी : माध्यम लेखन (षष्ठ अयन)	3	
बी. ए. तृतीय वर्ष कला (हिंदी विशेष)			
Discipline Specific Elective DSE 1 C (S3)	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल का सामान्य परिचय) (पंचम अयन)	3+1	
Discipline Specific Elective 2 C (S4)	भाषाविज्ञान (सामान्य परिचय) (पंचम अयन)	3+1	
Discipline Specific Elective 1 D (S3)	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल सामान्य परिचय) (षष्ठ अयन)	3+1	
Discipline Specific Elective 2 D (S4)	हिंदी भाषा और उसका विकास (षष्ठ अयन)	3+1	
बी. ए. तृतीय वर्ष कला			
Skill Enhancement Course 2 C	पटकथा लेखन (पंचम अयन)	2	
Skill Enhancement Course SEC 2 D	साहित्य और फिल्मांतरण (षष्ठ अयन)	2	

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

पंचम अयन **(Fifth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Core Course – 1E (G3)** पाठ्यचर्या : कथेतर विधाएँ

3 कर्मांक **(3 Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को संस्मरण साहित्य से अवगत करना।
2. छात्रों को रेखाचित्र साहित्य से अवगत करना।
3. छात्रों को मूल्यांकन की दृष्टि का विकास करना।
4. सभा–इतिवृत्त लेखन कौशल वृद्धि का विकास करना।
5. वार्ता–लेखन कौशल दृष्टि निर्माण करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई– **I**	संस्मरण : 1. शरत् : एक याद – अमृतलाल नागर 2. प्रेमचंद : एक स्मरण – महादेवी वर्मा 3. हम हशमत – कृष्णा सोबती 4. त्यागमूर्ति 'निराला' – शिवपूजन सहाय	15 तासिकाएँ
इकाई– **II**	रेखाचित्र : 1. पीपल – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' 2. डबली बाबू – विनय मोहन शर्मा 3. अमृत के स्रोत – जगदीश माथुर। 4. रजिया – रामवृक्ष 'बेनीपुरी'	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	पाठ्यपुस्तकेत्तर पाठ्यक्रम : 1. सभा–इतिवृतलेखन 2. वार्ता–लेखन	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 20 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 70 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 70

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – I और II पर (दो + दो) चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. अ) इकाई – I पर दो में से एक संदर्भ : 14 अंक

ब) इकाई – II पर दो में से एक संदर्भ :

प्रश्न 5. क) सभा इतिवृतलेखन दो में से एक प्रश्न : 14 अंक

ख) वार्ता लेखन दो में से एक प्रश्न :

संदर्भ ग्रंथ :

1. पाठ्यपुस्तक : संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी रेखाचित्र – डॉ. हरवंशलाल शर्मा
3. यात्रा साहित्य का उद्‌भव और विकास – डॉ. सुरेंद्र माथुर
4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी यात्रा साहित्य – डॉ. ईरेश स्वामी

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

षष्ठ अयन **(Sixth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Core Course – 1F (G3)** पाठ्यचर्या : गज़ल विधा और पत्राचार

3 कर्मांक **(3 Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को गज़ल साहित्य से अवगत करना।
2. छात्रों को गज़लकार के व्यक्तित्व से अवगत करना।
3. छात्रों में मूल्यांकन की दृष्टि का विकास करना।
4. छात्रों को सरकारी पत्र लेखन से अवगत करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	'साये में धूप' (गज़ल संग्रह) – दुष्यंत कुमार 1. गज़ल : अर्थ, परिभाषा, तत्व। 2. दुष्यंत कुमार का साहित्यिक परिचय। ग़ज़ल रचनाएँ : (साये में धूप) 1. कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए, कहाँ चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए... 2. कैसे मंजर सामने आने लगे हैं, गाते–गाते लोग चिल्लाने लगे हैं... 3. इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है, नाव जर्जर ही सही, लहरों से टकराती तो है... 4. भूख है तो सब्र कर, रोटी नहीं तो क्या हुआ, आजकल दिल्ली में है जेरे बहस ये मुद्दआ... 5. कहीं पे धूप की चादर बिछाके बैठ गए, कहीं ये शाम सिरहाने लगा के बैठ गए... 6. चाँदनी छत पे चल रही होगी, अब अकेली टहल रही होगी...	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	गज़ल रचनाएँ : (साये में धूप) 1. हो गई है पीर पर्वत–सी पिघलनी चाहिए, इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए... 2. आज सड़कों पर लिखे हैं सैकडों नारे न देख, घर अँधेरा देख तू, आकाश के तारे न देख... 3. मेरे गीत तुम्हारे पास सहारा पाने आएँगे, मेरे बाद तुम्हें ये मेरी याद दिलाने आएँगे... 4. ये सच है कि पाँवों ने बहुत कष्ट उठाए, पर पाँव किसी तरह राहों पे तो आए... 5. बाढ़ की संभावनाएँ सामने हैं, और नदियों के किनारे घर बने हैं...	15 तासिकाएँ

	6. रोज़ जब रात को बारह का गजर होता है, यातनाओं के अँधेरे में सफ़र होता है... 7. एक कबूतर, चिट्ठी लेकर, पहली–पहली बार उडा, मौसम एक गुलेल लिये था पट से नीचे आन गिरा... 8. मैं जिसे ओढ़ता–बिछाता हूँ, वो गज़ल आपको सुनाता हूँ... 9. अब किसी को भी नज़र आती नहीं कोई दरार, घर की हर दीवार पर चिपके हैं इनते इश्तहार... 10. तुम्हारे पाँवों के नीचे कोई जमीन नहीं, कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं...	
इकाई–**III**	पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम : सरकारी पत्रलेखन : 1. सरकारी पत्र, 2. अर्द्ध सरकारी पत्र 3. कार्यालय ज्ञापन 4. परिपत्र 5. कार्यालय आदेश	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 20 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 70 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 70

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – I और II पर (दो + दो) चार टिप्पणी में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. अ) इकाई – I पर दो में से एक संदर्भ : 14 अंक

ब) इकाई – II पर दो में से एक संदर्भ :

प्रश्न 5. पत्रलेखन चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. साये में धूप (ग़ज़ल संग्रह) – दुष्यंत कुमार
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. तेजपाल चौधरी
4. प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
5. दुष्यंत कुमार और उनका काव्य – डॉ. सुरेश साळुंके
6. व्यवहारोपयोगी एवं कामकाजी हिंदी – डॉ. अनंत केदारे।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

पंचम अयन **(Fifth Semester)** वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : **Core Course – 1E (G3)** वैकल्पिक पाठ्यचर्या : प्रयोजनमूलक हिंदी कार्यालयीन व्यवहार

3 कर्मांक **(3 Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को कार्यालयीन कार्यपद्धति की जानकारी देना।
2. छात्रों को सरकारी पत्राचार के प्रकारों, स्वरूप, भाषा शैली आदि की जानकारी देना।
3. छात्रों को क्षेत्र–कार्य प्रणाली से परिचित कराना।
4. छात्रों को राजभाषा हिंदी का संवैधानिक प्रावधान, हिंदी प्रचार प्रसार कार्य से परिचित करना।
5. छात्रों को अनुवाद प्रक्रिया से अवगत कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	भाषा के विविध रूप : बोली, भाषा, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	कार्यालयीन हिंदी पत्राचार : अ) सरकारी पत्र की विशेषताएँ : शुद्धता, सरलता, निर्वैयक्तिकता, तथ्यों में स्पष्टता, असंदिग्धता, संक्षिप्तता, क्रमबद्धता, शिष्टता, प्रभावोत्पादकता, वैशिष्ट्यपूर्ण भाषा आदि। आ) सरकारी पत्रों के विविध रूप और प्रकार – सरकारी पत्र, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति, निविदा, परिपत्र, कार्यालय आदेश, आवेदन पत्र।	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	अनुवाद : अनुवाद प्रक्रिया तथा कार्यालयीन अनुवाद अ) अनुवाद स्वरूप, महत्व : अनुवाद प्रक्रिया, हिंदी में अनुवाद का महत्व, सूचना तकनीक में अनुवाद का महत्व। आ) अनुवादक के गुण। इ) कार्यालयीन अनुवाद (100 शब्दों परिच्छेद, अंग्रेजी अथवा मराठी से हिंदी अनुवाद)	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 20 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 70 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 52

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – III पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. इकाई – I, II, III (दो + दो + दो) छह टिप्पणी में से तीन प्रश्न : 21 अंक

प्रश्न 5. कार्यालयीन अनुवाद 100 शब्दों का परिच्छेद : 07 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. राजभाषा हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
2. राजभाषा हिंदी – डॉ. भोलनाथ तिवारी
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – रवींद्रनाथ तिवारी
4. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान – डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
5. राजभाषा हिंदी : विवेचन और प्रयुक्ति – डॉ. किशोर वासवानी
6. भारत का संविधान प्राधिकृत संस्करण 2005
7. राजभाषा हिंदी – सेठ गोविंददास
8. राजभाषा प्रबंधन – डॉ. गोवर्धन ठाकुर
9. हिंदी : राष्ट्रभाषा से राजभाषा तक – विमलेश कांति वर्मा
10. बारहवीं सदी से राजकाज में हिंदी – रामबाबू शर्मा
11. भारतीय राष्ट्रभाषा : सीमाएँ तथा समास्याएं – डॉ. सत्यव्रत
12. राजभाषा के संदर्भ में हिंदी आंदोलन का इतिहास – उदयनारायण दुबे
13. व्यवहारोपयोगी एवं कामकाजी हिंदी – डॉ. अनंत केदारे।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

षष्ठ अयन **(Sixth Semester)** वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : **Core Course – 1F (G3)** वैकल्पिक पाठ्यचर्या – प्रयोजनमूलक हिंदी : माध्यम लेखन

3 कर्मांक **(3 Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को जनसंचार माध्यम और हिंदी अवधारणा से परिचित करना।
2. छात्रों को पृष्ठ सज्जा के विविध अंगों से परिचित कराना।
3. छात्रों को संचार क्रांति और सूचना प्रोद्योगिकी से अवगत कराना।
4. छात्रों को भिन्न–भिन्न क्षेत्रों में सूचना प्रोद्योगिकी की उपादेयता से अवगत कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	जनसंचार माध्यम और हिंदी : अवधारणा और प्रकार अ) दृश्य माध्यम और प्रयोजनमूलक हिंदी, दृश्य माध्यम में प्रयुक्त भाषा, दृश्य माध्यम के लिए समाचार लेखन। आ) श्रव्य माध्यम और प्रयोजनमूलक हिंदी, श्रव्य माध्यम में प्रयुक्त भाषा, श्रव्य माध्यम के लिए समाचार लेखन।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	प्रतिवेदन रिपोर्ट : परिभाषा और स्वरूप, प्रारूप, शीर्षक पृष्ठ–सज्जा (मेक–अप) के विविध अंग। सामग्री का संयोजन एवं पृष्ठ निर्धारण। कलापक्ष एवं मुद्रण।	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	संचार क्रांति एवं सूचना प्रौद्योगिकी का भविष्य : ई–कैश तथा डिजिटल हस्ताक्षर, नेट बैंकिंग, आभासी कक्षा (वर्चुअल क्लासरूम), ई–गोष्ठी, ई–कॉमर्स, ई–फैक्स। विभिन्न क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी की उपादेयता का संक्षिप्त परिचय। सायबर शिक्षा। ई–संसाधनों की सीमाएं।	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 20 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 70 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 70

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – III पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. इकाई – I, II, III (दो + दो + दो) छह टिप्पणी में से तीन प्रश्न : 21 अंक

प्रश्न 5. इकाई – I, II, III पर (एक + एक + एक) तीन प्रश्न में से एक प्रश्न : 07 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. जनसंचार के विविध आयाम – ब्रजमोहन गुप्त
2. जनमाध्यम और मासकल्चर – जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. जनमाध्यम और पत्रकारिता (भाग : 1, 2) – प्रवीण दीक्षित
4. जनमाध्यम : संप्रेषण और विकास – देवेंद्र इस्सर
5. सिनेमाई भाषा और हिंदी संवादों का विश्लेषण – डॉ. किशोर वासवानी
6. जनसंचार – राधेश्याम शर्मा
7. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग – विष्णु राजगढ़िया
8. जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता सर्वांग – डॉ. जितेंद्र वत्स, डॉ. किरण बाल
9. जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी
10. आधुनिक पत्रकारिता और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया – डॉ. जालिंदर इंगळे
11. जनसंचार और तकनीकी हिंदी : विविध आयाम – डॉ. अनिल काळे।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

पंचम अयन **(Fifth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Discipline Specific Elective 1 C (S3)** हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल का सामान्य परिचय) 3 कर्मांक **(3 Credit) + 1***

———————————————————————————————————

उद्देश्य :

1. हिंदी साहित्येतिहास लेखन का परिचय देना।
2. हिंदी साहित्येतिहास के कालविभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
3. आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनाकारों और रचनाओं से परिचित कराना।

———————————————————————————————————

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	हिंदी साहित्य का कालविभाजन और नामकरण। आदिकाल की पृष्ठभूमि, रासो साहित्य : पृथ्वीराज रासो और कवि चंदबरदायी का परिचय। सिद्ध और नाथ साहित्य : गोरखनाथ का साहित्यिक परिचय। अमीर खुसरो की हिंदी कविता। आदिकालीन साहित्य की विशेषताएँ।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	भक्तिकाल के उदय के सामाजिक, सांस्कृतिक कारण। भक्ति आंदोलन का महत्व, पृष्ठभूमि। निर्गुण काव्य : संत काव्य की विशेषताएँ। संत कबीर का सामान्य परिचय। सूफी काव्य की विशेषताएँ। कवि जायसी का सामान्य परिचय। सगुण काव्य : राम काव्य की विशेषताएँ। कवि तुलसीदास का सामान्य परिचय। कृष्ण काव्य की विशेषताएँ। कवि सूरदास का सामान्य परिचय।	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	रीतिकाल की सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) सामान्य परिचय। रीतिबद्ध कवि केशवदास का सामान्य परिचय। रीतिसिद्ध कवि बिहारी का सामान्य परिचय। रीतिमुक्त कवि घनानंद का सामान्य परिचय।	15 तासिकाएँ
Research Project	1* One Credit for Research Project, field work etc.	

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 20 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 70 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 70

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – III पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. इकाई – I, II, III (दो + दो + दो) छह टिप्पणी में से तीन प्रश्न : 21 अंक

प्रश्न 5. तीनों इकाइयों पर (इकाई एक – 4, इकाई दो – 3, इकाई तीन – 3) 07 अंक

दस बहुविकल्पि प्रश्न में से सात के उत्तर।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र
8. हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
10. हिंदी साहित्य का इतिहास – प्रो. माधव सोनटक्के
11. हिंदी साहित्य का नया इतिहास – डॉ. राजेंद्र मिश्र
12. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ. सुमन राजे
13. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
14. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. जालिंदर इंगळे।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

पंचम अयन **(Fifth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Discipline Specific Elective 2 C (S4)** भाषाविज्ञान (सामान्य परिचय)

3 कर्मांक **(3 Credit) + 1***

उद्देश्य :

1. भाषाविज्ञान के स्वरूप का परिचय देना।
2. छात्रों को भाषाविज्ञान की व्याप्ति समझाना।
3. भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना।
4. भाषाविज्ञान के अनुप्रयोगात्मक पक्ष को समझाना।
5. साहित्य–अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता समझाना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	भाषा विज्ञान का नामकरण और परिभाषा, भाषाविज्ञान की शाखाएँ। भाषा विज्ञान का अन्य शाखाओं से संबंध : भाषा विज्ञान और व्याकरण, भाषा विज्ञान और साहित्य, भाषा विज्ञान और मनोविज्ञान, भाष विज्ञान और भूगोल।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	ध्वनि विज्ञान : ध्वनि का अर्थ और परिभाषा। ध्वनि यंत्र। ध्वनि गुण : मात्रा, स्वराघात, बलाघात। ध्वनि परिवर्तन के कारण। रूप विज्ञान : अर्थ और परिभाषा। रूप और रूपिम में अंतर रुपिम के भेद : मुक्त रुपिम, बद्ध रुपिम, मुक्तबद्ध रुपिम, रूप परिवर्तन के कारण।	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	अर्थ विज्ञान : परिभाषा। अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ। अर्थ परिवर्तन के कारण।	15 तासिकाएँ
Research Project	1* One Credit for Research Project, field work etc.	

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा– 20, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10)

सत्रांत परीक्षा – 70

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 70

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – III पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. इकाई – I, II, III (दो + दो + दो) छह टिप्पणी में से तीन प्रश्न : 21 अंक

प्रश्न 5. तीनों इकाइयों पर (इकाई एक – 4, इकाई दो – 3, इकाई तीन – 3) 07 अंक

दस बहुविकल्पि प्रश्न में से सात के उत्तर।

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
2. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा
3. सांस्कृतिक भाषा विज्ञान – डॉ. रामानंद तिवारी
4. भाषा विज्ञान – सं. डॉ. राजमल बोरा
5. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा – डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री
6. भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी
7. भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा – डॉ. रूपाली चौधरी
8. भाषाविज्ञान – डॉ. जालिंदर इंगळे
9. भाषाविज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
10. भाषाविज्ञान – डॉ. मधुकर देशमुख
11. सरल भाषाविज्ञान – डॉ. पीतांबर सरोदे, डॉ. विश्वास पाटील।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

षष्ठ अयन **(Sixth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Discipline Specific Elective 1 D (S3)** हिंदी साहित्य का इतिहास

(आधुनिक काल सामान्य परिचय)

3 कर्मांक **(3 Credit) + 1***

उद्देश्य :

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि से छात्रों अवगत कराना।
2. भारतेंदु युगीन, द्विवेदी युग के काव्य की विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराना।
3. आधुनिक काल के रचनाकारों और रचनाओं से परिचित कराना।
4. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास से छात्रों को अवगत कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	आधुनिक काल की पृष्ठभूमि भारतेंदुयुगीन काव्य की सामान्य विशेषताएँ। प्रमुख कवि – भारतेंदु हरिश्चंद्र, बद्रिनारायण चौधरी 'प्रेमघन'। द्विवेदी युगीन काव्य की सामान्य विशेषताएँ। प्रमुख कवि – मैथिलीशरण गुप्त, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	छायावादी काव्य की सामान्य विशेषताएँ। छायावाद के प्रमुख कवि – जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा का सामान्य परिचय। प्रगतिवादी काव्य और प्रमुख कवि – रामधारी सिंह 'दिनकर', नागार्जुन का सामान्य परिचय। प्रयोगवादी काव्य और प्रमुख कवि – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' का सामान्य परिचय।	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	हिंदी गद्य का उद्भव और विकास फोर्ट विलियम कॉलेज का योगदान हिंदी उपन्यास साहित्य का विकासक्रम (सामान्य परिचय) हिंदी कहानी साहित्य का विकासक्रम (सामान्य परिचय) हिंदी नाटक साहित्य का विकासक्रम (सामान्य परिचय)	15 तासिकाएँ
Research Project	1* One Credit for Research Project, field work etc.	

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 20 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 70 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 70

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – III पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. इकाई – I, II, III (दो + दो + दो) छह टिप्पणी में से तीन प्रश्न : 21 अंक

प्रश्न 5. तीनों इकाइयों पर (इकाई एक – 4, इकाई दो – 3, इकाई तीन – 3) 07 अंक

दस बहुविकल्पि प्रश्न में से सात के उत्तर।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र
8. हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
10. हिंदी साहित्य का इतिहास – प्रो. माधव सोनटक्के
11. हिंदी साहित्य का नया इतिहास – डॉ. राजेंद्र मिश्र
12. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. जालिंदर इंगळे।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

षष्ठ अयन **(Sixth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Discipline Specific Elective 2 D (S4)** हिंदी भाषा और उसका विकास

3 कर्मांक **(3 Credit) + 1***

———————————————————————————————————

उद्देश्य :

1. भाषाविज्ञान के स्वरूप का परिचय देना।
2. छात्रों को भाषाविज्ञान की व्याप्ति समझाना।
3. भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना।
4. भाषाविज्ञान के अनुप्रयोगात्मक पक्ष को समझाना।
5. साहित्य–अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता समझाना।

———————————————————————————————————

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	भाषा की परिभाषा और भाषा की विशेषताएँ। भाषा के विविध रूप : बोली, भाषा, परिनिष्ठित भाषा, साहित्यिक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	हिंदी की बोलियाँ : पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, बिहारी हिंदी, पहाडी हिंदी, राजस्थानी हिंदी। हिंदी का शब्द भंडार : तत्सम शब्द, तद्भव शब्द, देशज शब्द, आगत या विदेशी शब्दों का परिचय।	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	नगरीलिपि का उद्भव और विकास। नागरी लिपि की विशेषताएँ। नागरी लिपि में सुधार की संभावनाएँ।	15 तासिकाएँ
Research Project	1* One Credit for Research Project, field work etc.	

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा– 20, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10)

सत्रांत परीक्षा – 70

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 70

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – III पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. इकाई – I, II, III (दो + दो + दो) छह टिप्पणी में से तीन प्रश्न : 21 अंक

प्रश्न 5. तीनों इकाइयों पर (इकाई एक – 4, इकाई दो – 3, इकाई तीन – 3) 07 अंक

दस बहुविकल्पि प्रश्न में से सात के उत्तर।

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
2. हिंदी भाषा संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. आधुनिक भाषाविज्ञान – डॉ. कृपाशंकर सिंह, डॉ. चतुर्भुज सहाय
4. हिंदी का वाक्यात्मक कारण – प्रो. सूरजभान सिंह
5. भाषाविज्ञान के आधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

पंचम अयन **(Fitth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Skill Enhancement Course 2 C** पाठ्यचर्या : पटकथा लेखन

2 कर्मांक **(2 Credit)**

———————————————————————————————————

उद्देश्य :

1. छात्रों को स्क्रिप्ट लेखन, अर्थ, परिभाषा से अवगत कराना।
2. छात्रों को कथा, पटकथा और संवाद से परिचित कराना।
3. छात्रों को ड्राफ्ट बनाने से परिचित कराना।

———————————————————————————————————

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	पटकथा (स्क्रिप्ट) लेखन, अर्थ, परिभाषा और सामान्य परिचय। पटकथा (स्क्रिप्ट) के तीन अंग– कथा, पटकथा और संवाद। उदाहरण सहित संक्षिप्त जानकारी। तीनों की परस्परावलंबिता और दृश्य–श्रव्य माध्यम में महत्व। पटकथा (स्क्रिप्ट) लेखन की प्रक्रिया। विचार (आइडिया) – वन लाइनर या लॉग लाइन – सारांश (शीर्षक, कथावस्तु, पात्रों की सूची।) प्लॉट बनाना – पात्रों का परिचय और उन्हें स्थापित करना, पात्रों का विकास। ड्राफ्ट बनाना – इनडोर/आउटडोर, समय, स्थान, संवाद, पात्र की क्रिया और प्रतिक्रिया।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	दृश्य–श्राव्य माध्यम के विभिन्न प्रकारों के लिए स्क्रिप्ट लेखन। (सामान्य दिशा निर्देश) वृत्तचित्र – टेलिफिल्म, शॉर्टफिल्म, विज्ञापन, फिल्म– वॉक थ्रू एवं अन्य – चलचित्र। शॉर्ट फिल्म के लिए स्क्रिप्ट लेखन का विशेष परिचय। पटकथा के प्रारूप और मुख्य सॉफ्टवेयरों की जानकारी।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन पूर्णांक : 50

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक (20 अंक : पटकथा लेखन (एकल/समूह पांच छात्र)/ 10 मिनट की लघु फिल्म निर्माण/विज्ञापन निर्माण/ डॉक्यूमेन्ट्री फिल्म निर्माण। 5 अंक प्रस्तुति के लिए।)

सत्रांत परीक्षा : 25 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 2 घंटे अंक : 25

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 10 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 10 अंक

प्रश्न 3. इकाई – I और इकाई – II पर दो टिप्पणी में से एक प्रश्न : 05 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. कथा पटकथा – मन्नू भंडारी
2. कथा पटकथा संवाद – हूबनाथ
3. पटकथा लेखक एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी
4. पटकथा कैसे लिखें – राजेंद्र पांडे
5. पटकथा लेखन फीचर फिल्म – उमेश राठौर
6. पटकथा लेखन व्यावहारिक निर्देशिका – असगर वजाहत
7. पटकथा सौंदर्य और सृजन – डॉ. चंद्रदेव यादव
8. साहित्य और सिनेमा – डॉ. जालिंदर इंगळे
9. साहित्य और सिनेमा – संपा. डॉ. पुरुषोत्तम कुंदे
10. सिनेमा और फिल्मांतरित हिंदी साहित्य – डॉ. गोकुळ क्षीरसागर।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

षष्ठ अयन **(Sixth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Skill Enhancement 2 D** पाठ्यचर्या : साहित्य और फिल्मांतरण

2 कर्मांक **(2 Credit)**

———————————————————————————————————

उद्देश्य :

1. छात्रों में सिनेमा का स्वरूप से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी साहित्य और सिनेमा के अन्तसंबंध से परिचित कराना।
3. छात्रों को हिंदी उपन्यासों पर आधारित फिल्मों से अवगत कराना।

———————————————————————————————————

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	सिनेमा : स्वरूप विवेचन, सिनेमा की परिभाषा हिंदी फीचर फिल्म के प्रकार हिंदी सिनेमा में अंतर्निहित तत्व हिंदी साहित्य और सिनेमा का अन्तसंबंध भारत में सिनेमा का उद्भव और विकास समानांतर हिंदी सिनेमा इक्कीसवीं सदी में हिंदी सिनेमा।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	साहित्य का फिल्मांतरण फिल्मांतरण : स्वरूप, महत्व हिंदी उपन्यासों पर आधारित हिंदी फिल्में : सारा आकाश, नौकर की कमीज, चित्रलेखा। हिंदी कहानियों पर आधारित हिंदी फिल्में : सद्गति, तीसरी कसम, मोहनदास।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन पूर्णांक : 50

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक (20 अंक : विधारूपांतरण, 05 अंक : प्रस्तुति।)

सत्रांत परीक्षा : 25 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 2 घंटे अंक : 25

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 10 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 10 अंक

प्रश्न 3. इकाई – I और इकाई – II पर दो टिप्पणी में से एक प्रश्न : 05 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. तेजपाल चौधरी
3. हिंदी सिनेमा आदि के अनंत – डॉ. प्रहलाद अग्रवाल
4. भारतीय सामाज हिंदी सिनेमा और स्त्री – सुलभा कोरे
5. हिंदी सिनेमा एक अध्ययन – राजेश कुमार
6. साहित्य और सिनेमा – डॉ. जालिंदर इंगळे
7. साहित्य और सिनेमा – संपा. डॉ. पुरुषोत्तम कुंदे।
8. सिनेमा और फिल्मांतरित हिंदी साहित्य – डॉ. गोकुळ क्षीरसागर।

***

सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ, पुणे

मराठी विषयाचा पुनर्रचित अभ्यासक्रम - जून २०२१ पासून

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.) मराठी

निवड आधारित श्रेयांक पद्धत

Choice Based Credit System [CBCS]

सत्र	विषयाचे नाव	संकेतांक	पूर्वीचे नाव
पहिले	भाषिक कौशल्यविकास आणि आधुनिक मराठी साहित्यप्रकार : प्रवासवर्णन	[CC – 1 E (3)]	नियमित अभ्यासक्रम G3
दुसरे	भाषिक कौशल्यविकास आणि आधुनिक मराठी साहित्यप्रकार : कविता	[CC – 1 F (3)]	
पहिले	व्यावहारिक व उपयोजित मराठी : भाग ५	[CC – 1 E (3)]	पर्यायी अभ्यासक्रम G3
दुसरे	व्यावहारिक व उपयोजित मराठी : भाग ६	[CC – 1 F (3)]	
पहिले	मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा स्थूल इतिहास : प्रारंभ ते इ.स. १६००	[DSE 1 C (3+1)]	S3
दुसरे	मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा स्थूल इतिहास : इ.स. १६०१ ते इ.स. १८१७	[DSE 1 D (3+1)]	
पहिले	वर्णनात्मक भाषाविज्ञान : भाग १	[DSE 2 C (3)+1]	S4
दुसरे	वर्णनात्मक भाषाविज्ञान : भाग २	[DSE 2 D (3)+1]	
पहिले	कार्यक्रम संयोजनातील भाषिक कौशल्ये : भाग १	[SEC 2 C (2)]	DSE विषयांशी निगडीत अनिवार्य
दुसरे	कार्यक्रम संयोजनातील भाषिक कौशल्ये : भाग २	[SEC 2 D (2)]	

तृतीय वर्ष कला (T. Y. B. A.)

नियमित अभ्यासक्रम

पहिले सत्र

विषयाचे नाव

भाषिक कौशल्यविकास आणि आधुनिक मराठी साहित्यप्रकार : प्रवासवर्णन [CC – 1 E (3)]

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१ मुद्रित माध्यमांसाठी लेखन कौशल्ये आत्मसात करणे.
२ प्रवासवर्णन या साहित्यप्रकाराचे स्वरूप, प्रेरणा, प्रयोजने, वैशिष्ट्ये आणि वाटचाल समजून घेणे.
३ नेमलेल्या प्रवासवर्णनाचे आकलन,आस्वाद आणि विश्लेषण करणे.

घटक		तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	अ	मुद्रित माध्यमांसाठी लेखन कौशल्ये : १ वृत्तलेख : स्वरूप व वैशिष्ट्ये २ अग्रलेख : स्वरूप व वैशिष्ट्ये ३ सदर लेखन : स्वरूप व वैशिष्ट्ये ४ परीक्षण : स्वरूप व वैशिष्ट्ये	१	१५
	ब	प्रवासवर्णन साहित्यप्रकार : स्वरूप, प्रेरणा, प्रयोजने, वाटचाल आणि वैशिष्ट्ये		
२		अभ्यासपुस्तक **तीन मुलांचे चार दिवस** आदर्श पाटील, विकास वाळके, श्रीकृष्ण शेळके साधना प्रकाशन, पुणे	२	३०

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्य अध्यापन आणि प्रकार, संपादक श्री. पु. भागवत आणि इतर
२. मराठी प्रवासवर्णनांची वाटचाल, डॉ.नीला पांढरे
३. मराठी वाङ्मय इतिहास, खंड ४, महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे
४. मराठी वाङ्मय इतिहास, खंड ७, भाग १, महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे
५. आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, खंड १ आणि २, अ. ना. देशपांडे
६. प्रवासवर्णन एक वाङ्मयप्रकार, वसंत सावंत
७. प्रदक्षिणा खंड २ , वि . ह. कुलकर्णी
८. अग्रलेख, गोविंद तळवलकर, प्रेस्टीज प्रकाशन, पुणे.
९. मुद्रित माध्यमांसाठी लेखन कौशल्ये : पुस्तक पहिले व दुसरे, य. च . म. मु. वि. नाशिक
१०. आधुनिक मराठी वाङ्मय : स्वरूप, आकलन आणि आस्वाद, सांगळे संदीप
११. https://shabdakosh.marathi.gov.in/ananya-glossary
१२. https://shabdakosh.marathi.gov.in/

दुसरे सत्र

विषयाचे नाव

भाषिक कौशल्यविकास आणि आधुनिक मराठी साहित्यप्रकार : कविता [CC – 1 F (3)]

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१. मराठी साहित्य, भाषिक कौशल्यविकास आणि शासनव्यवहार यांची माहिती घेणे.
२. कविता या साहित्यप्रकाराचे स्वरूप, वाटचाल, प्रेरणा, प्रवृत्ती आणि वैशिष्ट्ये,समजून घेणे.
३. नेमलेल्या अभ्यासपुस्तकातील निवडक कवितांचे आकलन, आस्वाद आणि विश्लेषण करणे.
४. कविता या साहित्यप्रकारातील विविध आविष्कार व भाषा रूपांची अभ्यासपुस्तकातील कवितांच्या आधारे ओळख करून घेणे.

घटक		तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	अ	मराठी साहित्य, भाषिक कौशल्यविकास आणि शासनव्यवहार १ राज्यघटनेतील भाषाविषयक तरतुदी २ मराठी राजभाषा अधिनियम ३ मराठीविषयक कार्य करणाऱ्या शासकीय संस्थांचा परिचय	१	१५
	ब	कविता : स्वरूप, वाटचाल, प्रेरणा आणि वैशिष्ट्ये		
२		संपादित अभ्यासपुस्तक **रूप : कवितेचे** संस्कृती प्रकाशन, पुणे	२	३०

संदर्भ ग्रंथ :

१. साहित्य अध्यापन आणि प्रकार, संपादक श्री. पु. भागवत आणि इतर
२. कवितेचा रूपशोध, म.सु. पाटील, शब्दालय प्रकाशन, पुणे.
३. कविता आणि प्रतिमा, सुधीर रसाळ,मौज प्रकाशन, मुंबई.
४. परंपरा आणि नवता, गो.वि.करंदीकर, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई.
५. सुहृदगाथा, प्रस्तावना, गंगाधर पाटील
६. विद्रोही कविता, संपादक,केशव मेश्राम, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.
७. निळी पहाट, रा.ग.जाधव
८. साहित्य आणि अस्तित्वभान, दि.पु.चित्रे, शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर.
९. टीकास्वयंवर, भालचंद्र नेमाडे, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद.
१०. दलित कविता व दलित साहित्याचे सौंदर्यशास्त्र, म.सु.पाटील, पद्मगंधा प्रकाशन,पुणे
११. काव्यार्थ चिंतन, जी.एस.शिवरुद्रप्पा, साहित्य अकादमी
१२. कवितेचा शोध, वसंत पाटणकर, मौज प्रकाशन,मुंबई
१३. सौंदर्य आणि साहित्य, बा.सी.मर्ढेकर
१४. वाङ्मयप्रकार संकल्पना व स्वरूप, संपादक, आनंद वास्कर

१५. कविता संदर्भ आणि दृष्टिकोन, आशुतोष पाटील, अक्षर वाङमय प्रकाशन, पुणे
१६. कामगार कवितेतील सामाजिक जाणिवा, डॉ.दिलीप पवार,सुगावा प्रकाशन, पुणे
१७. मराठी वाङ्मयाची वाटचाल: स्वरूप व संकल्पना, शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर.
१८. कवितेचं अंत:स्वर, देवानंद सोनटक्के
१९. नव जग, नवी कविता, विश्राम गुप्ते ,संस्कृती प्रकाशन, पुणे
२०. https://shabdakosh.marathi.gov.in/ananya-glossary
२१. https://shabdakosh.marathi.gov.in/
२२. https://directorate.marathi.gov.in/
२३. https://sahitya.marathi.gov.in/
२४. https://rmvs.marathi.gov.in/
२५. https://vishwakosh.marathi.gov.in/
२६. http://sahitya-akademi.gov.in/

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

- भाषिक कौशल्यविकास आणि आधुनिक मराठी साहित्यप्रकार : प्रवासवर्णन [CC – 1 E (3)] (सत्र १)
- भाषिक कौशल्यविकास आणि आधुनिक मराठी साहित्यप्रकार : कविता [CC – 1 F (3)] (सत्र २)

विद्यापीठ सत्र परीक्षा		
वेळ : ३ तास	**घटकनिहाय प्रश्न तपशील**	**गुण : ७०**
प्रश्न क्रमांक		गुण
प्रश्न १ ला	५ पैकी ३ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी ५० शब्दांपर्यंत लिहा. (घटक १ व २)	१५
प्रश्न २ रा	३ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी २०० शब्दांपर्यंत लिहा. (घटक १)	२०
प्रश्न ३ रा	३ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी २०० शब्दांपर्यंत लिहा. (घटक २)	२०
प्रश्न ४ था	२ पैकी १ प्रश्नाचे उत्तर ३०० शब्दांपर्यंत लिहा. (घटक २)	१५
सत्र परीक्षा एकूण गुण		**७०**
अंतर्गत मूल्यमापन		
(घटक १) **अभ्यासेतर-अभ्यासपूरक उपक्रम** : महाविद्यालयातील विविध उपक्रमातील सहभाग / साहित्यविषयक विशेष योगदान / अभ्याससहल / क्षेत्रभेट / अहवाल लेखन / प्रकल्प कार्य / सादरीकरण / स्वाध्याय / चर्चासत्र / गटचर्चा /अभिवाचन (यापैकी कोणतेही एक)		**१०**
चाचणी (घटक २)		**२०**
सत्र परीक्षा आणि अंतर्गत मूल्यमापन एकूण गुण		**१००**

विशेष सूचना :

- अंतर्गत मूल्यमापनाचे नियोजन महाविद्यालयाने करावे.
- विद्यार्थ्यांचे अंतर्गत मूल्यमापनविषयक लेखन / तपशील विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार, विहित कालावधीपर्यंत महाविद्यालयाकडे जमा असणे आवश्यक आहे.
- विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार विहित मुदतीत गुण विद्यापीठाकडे पाठवावे.

तृतीय वर्ष कला (T. Y. B. A.)

नियमित अभ्यासक्रम

पहिले सत्र

विषयाचे नाव

व्यावहारिक व उपयोजित मराठी - भाग ५ [CC – 1 E (3)]

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१ संभाषणविषयक भाषिक कौशल्ये आत्मसात करणे.

२ वृत्तपत्रविषयक भाषिक कौशल्ये आत्मसात करणे.

३ मराठी साहित्य, भाषिक कौशल्यविकास आणि शासनव्यवहार यांची माहिती घेणे.

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	**विविध कार्यक्रम, स्पर्धाविषयक भाषा कौशल्ये :** १ गटचर्चा २ वादविवाद ३ वक्तृत्त्व ४ चर्चासत्र ५ परिसंवाद	१	१५
२	**वृत्तपत्रासाठी लेखन :** १ सदरलेखन २ अग्रलेख ३ समीक्षणात्मक लेखन ४ सांस्कृतिक वार्तांकन ५ वृत्तपत्रविषयक पारिभाषिक संज्ञा	१	१५
३	**मराठी साहित्य, भाषिक कौशल्यविकास आणि शासनव्यवहार** १ राज्यघटनेतील भाषाविषयक तरतुदी २ मराठी राजभाषा अधिनियम ३ मराठीविषयक कार्य करणाऱ्या शासकीय संस्थांचा परिचय	१	१५

दुसरे सत्र

विषयाचे नाव

व्यावहारिक व उपयोजित मराठी - भाग ६ [CC – 1 F (3)]

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१. भाषाविषयक उपयोजित लेखन क्षमता विकसित करणे.

२. विविध माध्यमे आणि नवसमाजमाध्यमांतील विविध भाषिक आविष्कारांचे स्वरूप समजून घेणे.

३. विविध माध्यमे आणि नवसमाजमाध्यमांसाठी लेखन क्षमता विकसित करणे.

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	**निवडक लेखन प्रकारांसाठी परीक्षण :** परीक्षण : स्वरूप १ एकांकिका २ मालिका ३ लघुपट ४ चित्रपट	१	१५
२	**विविध माध्यमे आणि नवसमाजमाध्यमांतील माध्यमांसाठी लेखन कौशल्ये:** विविध माध्यमे आणि नवसमाजमाध्यमांतील स्वरूप आणि लेखनप्रकार १ संकेतस्थळावरील लेखन २ फेसबुकवरील लेखन ३ अनुदानी लेखन ४ ई – वृत्तपत्रासाठी लेखन ५ न्यूज पोर्टलसाठी लेखन	१	१५
३	**जाहिरातीसाठी लेखन** १ जाहिरात : स्वरूप, प्रकार २ जाहिरातीची भाषा आणि माध्यमे ३ जाहिरात मसुदा लेखन : जाहिरात हेतू आणि उद्देश, मथळा, उपमथळा, तपशील लेखन, घोषवाक्य इत्यादी.	१	१५

संदर्भ ग्रंथ :

१. संगणक, अच्युत गोडबोले, मौज प्रकाशन, मुंबई.

२. व्यावहारिक मराठी, डॉ. ल. रा. नसिराबादकर, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर.

३. आधुनिक माहिती तंत्रज्ञानाच्या विश्वात, दीपक शिक्रापूरकर, उज्ज्वल मराठे, उत्कर्ष प्रकाशन, पुणे.

४. भाषांतरमीमांसा, कल्याण काळे, अंजली सोमण.

५. व्यावहारिक मराठी, पुणे विद्यापीठ प्रकाशन, पुणे.
६. व्यावहारिक मराठी, डॉ. कल्याण काळे, डॉ. दत्तात्रेय पुंडे, निराली प्रकाशन, पुणे.
७. व्यावहारिक मराठी, डॉ. लीला गोविलकर, डॉ. जयश्री पाटणकर, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे.
८. प्रसारमाध्यमांसाठी लेखन कौशल्य, यशवंतराव चव्हाण मुक्त विद्यापीठ, नाशिक.
९. व्यावहारिक मराठी, डॉ. सयाजीराजे मोकाशी, डॉ. रंजना नेमाडे
१०. कहाणी वर्तमानपत्राची, चंचल सरकार अनुवाद, दिनकर गांगल, नॅशनल बुक ट्रस्ट
११. द्विभाषी व्यावहारिक शब्दकोश (इंग्लिश - मराठी) गणेश ओतुरकर
१२. व्यावहारिक मराठी भाषा, शरदिनी मोहिते
१३. भाषांतरमीमांसा, संपादक डॉ .रमेश वरखेडे, यशवंतराव चव्हाण मुक्त विद्यापीठ, नाशिक.
१४. सायबर संस्कृती, डॉ. रमेश वरखेडे
१५. प्रसार माध्यमे आणि मराठी भाषा, संपादक, डॉ.भास्कर शेळके
१६. व्यावहारिक आणि उपयोजित मराठी, डॉ. मनोहर रोकडे
१७. मराठी भाषा उपयोजन आणि सर्जन, प्रा. सुहासकुमार बोबडे
१८. व्यावहारिक मराठी, संपादक डॉ. स्नेहल तावरे, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे.
१९. उपयोजित मराठी, संपादक डॉ. केतकी मोडक, संतोष शेणई, सुजाता शेणई
२०. व्यावहारिक व उपयोजित मराठी आणि प्रसारमाध्यमांची कार्यशैली, संपादक, डॉ. संदीप सांगळे
२१. ओळख माहिती तंत्रज्ञानाची, टिमोथी जे. ओ लिअरी
२२. https://shabdakosh.marathi.gov.in/ananya-glossary
२३. https://shabdakosh.marathi.gov.in/
२४. https://directorate.marathi.gov.in/
२५. https://sahitya.marathi.gov.in/
२६. https://rmvs.marathi.gov.in/
२७. https://vishwakosh.marathi.gov.in/
२८. http://sahitya-akademi.gov.in/

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

- व्यावहारिक व उपयोजित मराठी - भाग ५ [CC – 1 E (3)]
- व्यावहारिक व उपयोजित मराठी - भाग ६ [CC – 1 F (3)]

विद्यापीठ सत्र परीक्षा		
वेळ:३ तास	**घटकनिहाय प्रश्नतपशील**	**गुण: ७०**
प्रश्न क्रमांक		**गुण**
प्रश्न १ ला	६ पैकी ४ प्रश्नांची उत्तरे लिहा (घटक २ व ३)	२०
प्रश्न २ रा	३ पैकी २ उपप्रश्नांची उत्तरे लिहा. (घटक १)	२०
प्रश्न ३ रा	३ पैकी २ उपप्रश्नांची उत्तरे लिहा. (घटक २ आणि ३)	२०
प्रश्न ४ था	२ पैकी १ उपप्रश्नाचे उत्तरे लिहा. (घटक २ आणि ३)	१०
	सत्र परीक्षा एकूण गुण	**७०**
	अंतर्गत मूल्यमापन	
	लेखी परीक्षा (घटक १ आणि २)	२०
	घटक ३ **अभ्यासेतर - अभ्यासपूरक उपक्रम** : अभ्याससहल / क्षेत्र भेट / अहवाल लेखन / प्रकल्प कार्य / सादरीकरण / गृहपाठ / चर्चासत्र (यापैकी कोणतेही एक)	१०
	अंतर्गत मूल्यमापन एकूण गुण	**३०**
	सत्र परीक्षा व अंतर्गत मूल्यमापन एकूण गुण	**१००**

विशेष सूचना :

- अंतर्गत मूल्यमापनाचे नियोजन महाविद्यालयाने करावे.
- विद्यार्थ्यांचे अंतर्गत मूल्यमापनविषयक लेखन / तपशील विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार , विहित कालावधीत महाविद्यालयाकडे जमा असणे आवश्यक आहे.
- विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार विहित मुदतीत गुण विद्यापीठाकडे पाठवावे.

तृतीय वर्ष कला (T. Y. B. A.)

नियमित अभ्यासक्रम

पहिले सत्र

विषयाचे नाव

मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा स्थूल इतिहास : प्रारंभ ते इ.स. १६०० [DSE 1 C (3+1)]

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१ वाङ्मयेतिहास संकल्पना, स्वरूप, प्रेरणा, प्रवृत्ती समजून घेणे.
२ मध्ययुगीन कालखंडाची सामाजिक, सांस्कृतिक पार्श्वभूमी समजून घेणे.
३ मराठी भाषा, साहित्याची कालखंडानुरूप इतिहास समजून घेणे.

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	**वाङ्मयेतिहास संकल्पना आणि मराठी भाषा, वाङ्मयाचा उगम** १. वाङ्मयेतिहास : संकल्पना आणि स्वरूप २. मराठी वाङ्मयेतिहासाचे कालखंड : स्वरूपचर्चा मराठी भाषा व वाङ्मयाचा उगम (कोरीव लेख आणि ग्रंथ या साधनांच्या आधारे) **यादव काळ आणि बहामनी काळातील वाङ्मयनिर्मिती** १ या कालखंडांची सामाजिक आणि सांस्कृतिक पार्श्वभूमी २ महानुभाव वाङ्मय : प्रेरणा, प्रवृत्ती व स्वरूप	१	१५
२	३ महानुभाव वाङ्मय : गद्य ग्रंथ - लीळाचरित्र, स्मृतिस्थळ, दृष्टान्तपाठ. पद्य ग्रंथ - महदंबेचे धवळे, साती ग्रंथ. १. वारकरी वाङ्मय : प्रेरणा, प्रवृत्ती व स्वरूप (संत ज्ञानेश्वर, संत नामदेव, संतमेळा, संत एकनाथ, शेख महंमद)	१	१५
३	१. मुकुंदराज, नृसिंहसरस्वती, दासोपंत, फादर स्टीफन्स, ब्रह्मगुणदास : वाङ्मयनिर्मितीचे स्वरूप	१	१५
४	संशोधनपर प्रकल्प / क्षेत्र कार्य (घटक १, २ आणि ३)	१	१५

दुसरे सत्र

विषयाचे नाव

मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा स्थूल इतिहास - इ.स. १६०० ते इ.स. १८१७ [DSE1 D (3+1)]

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	**शिवकाल आणि पेशवेकाळातील वाङ्मयनिर्मिती** १. या कालखंडांची सामाजिक आणि सांस्कृतिक पार्श्वभूमी २. संत तुकाराम : वाङ्मयनिर्मितीचे स्वरूप ३. संत रामदास : वाङ्मयनिर्मितीचे स्वरूप	१	१५
२	**पंडित आणि शाहिरांची वाङ्मयनिर्मिती** १. पंडिती वाङ्मय : स्वरूप, प्रेरणा, प्रवृत्ती, आणि वैशिष्ट्ये मुक्तेश्वर, वामनपंडित, रघुनाथपंडित, मोरोपंत २. शाहिरी वाङ्मय **:** स्वरूप, प्रेरणा, प्रवृत्ती आणि वैशिष्ट्ये अनंत फंदी, परशराम, राम जोशी, प्रभाकर, होनाजी बाळा	१	१५
३	**बखर आणि गद्य वाङ्मयनिर्मिती** १. बखर वाङ्मय **:** स्वरूप, प्रेरणा, प्रवृत्ती आणि वैशिष्ट्ये सभासदाची बखर, शिवछत्रपतींचे सप्तप्रकरणात्मक चरित्र, शिवदिग्विजय, पानिपतची बखर, भाऊसाहेबांची बखर. २. आज्ञापत्र	१	१५
४	संशोधनपर प्रकल्प / क्षेत्र कार्य (घटक १, २ आणि ३)	१	१५

संदर्भ ग्रंथ :

१. महाराष्ट्र सारस्वत, वि. ल. भावे
२. मराठी भाषेचा व वाङ्मयाचा इतिहास, बा. अ. भिडे
३. मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, खंड पहिला, ल. रा. पांगारकर
४. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, भाग १, पूर्वार्ध आणि उत्तरार्ध, अ. ना. देशपांडे
५. महाराष्ट्रीयांचे काव्यपरीक्षण, श्री. व्यं. केतकर
६. मराठी वाङ्मयाभिरुचीचे विहंगमावलोकन, जोग रा. श्री.
७. पाच भक्तीसंप्रदाय, र. रा. गोसावी
८. महाराष्ट्रातील पाच संप्रदाय, पं. रा. मोकाशी
९. नाथ संप्रदाय : उदय व विकास, प्र. न.जोशी
१०. मराठी साहित्याचे आदिबंध, उषा मा. देशमुख
११. यादवकालीन महाराष्ट्र, मु. गो. पानसे
१२. यादवकालीन मराठी, शं. गो. तुळपुळे
१३. महानुभवीय मराठी वाङ्मय, य. खु. देशपांडे
१४. महानुभाव पंथ आणि त्यांचे वाङ्मय, शं. गो. तुळपुळे
१५. श्रीचक्रधर : चरित्र, वि. भि. कोलते

१६. चक्रपाणि : आद्य मराठी वाङ्मयाची सांस्कृतिक पार्श्वभूमी, रा. चिं. ढेरे
१७. श्रीविठ्ठल : एक महासमन्वय, रा. चिं. ढेरे
१८. वारकरी पंथाचा इतिहास , शं. वा. दांडेकर
१९. वारकरी पंथ : उदय व विकास, भा. पं. बहिरट
२०. संतवाङ्मयाची सांस्कृतिक फलश्रुती, गं. बा. सरदार
२१. पाच संतकवी, शं. गो. तुळपुळे
२२. ज्ञानदेव आणि नामदेव, शं. दा. पेंडसे
२३. प्राचीन मराठी गद्य : प्रेरणा आणि प्रवृत्ती, श्री. रं. कुलकर्णी
२४. संत साहित्य : काही अनुबंध, अशोक कामत
२५. ओवी ते लावणी, श्री. रं. कुलकर्णी
२६. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मय : एक पुनर्विचार, श्री. रं. कुलकर्णी
२७. मराठी भाषेचे मूळ, विश्वनाथ खैरे
२८. श्रीसमर्थ विरचित स्तोत्रवाङ्मय, र. रा. गोसावी
२९. रामदासांची काव्यदृष्टी : एक अभ्यास, रा. वि. चिटणीस
३०. पुन्हा तुकाराम, दिलीप चित्रे
३१. आनंदाचा डोह, रा. ग. जाधव
३२. दासबोध : वाङ्मयीन समीक्षा, रमेश तेंडुलकर
३३. टीकास्वयंवर, भालचंद्र नेमाडे
३४. तुकाराम : अंतर्बाह्य संघर्षाची अनुभवरूपे, म. सु. पाटील
३५. धर्मसंप्रदाय आणि मध्ययुगीन मराठी वाङ्मय, र. बा. मंचरकर
३६. प्राचीन मराठी वाङ्मयाचे स्वरूप, ह. श्री. शेणोलीकर
३७. मराठी संतवाणीचे मंत्राक्षरत्व, ह. श्री. शेणोलीकर
३८. मध्ययुगीन मराठी नाथसंप्रदायिक साहित्य संशोधनाच्या काही दिशा, र. रा. गोसावी
३९. तुकारामविषयक अभ्यासाचा मागोवा, मा. ना. आचार्य
४०. संत एकनाथांचा वारसा, रा. ग. जाधव
४१. संतसाहित्य : अभ्यासाच्या काही दिशा, कल्याण काळे व रा. शं. नगरकर
४२. मध्ययुगीन मराठी साहित्य : एक पुनर्विचार, श्री. रं. कुलकर्णी
४३. वाङ्मयेतिहासाची संकल्पना, द. दि. पुंडे
४४. शिवकालीन राजनीती आणि रणनीती, श्री. रं. कुलकर्णी
४५. संतसाहित्याचे समाजशास्त्रीय दृष्टिक्षेप, सदानंद मोरे
४६. तुकारामदर्शन, सदानंद मोरे
४७. महानुभाव साहित्य : शोध संचार, अविनाश आवलगावकर
४८. श्रीगोविंदप्रभुविषयक साहित्य : शोध आणि समीक्षा, अविनाश आवलगावकर
४९. लीळाचरित्र : संशोधन आणि समीक्षा, अविनाश आवलगावकर
५०. महानुभाव साहित्य : शोध आणि चिकित्सा, अविनाश आवलगावकर.
५१. प्राचीन मराठी भक्तीवाङ्मयाची स्वातंत्र्योत्तर समीक्षा, सतीश बडवे
५२. संतसाहित्याचा वाङ्मयीन अभ्यास, सुहासिनी इर्लेकर
५३. शुद्ध ऐसे ब्रह्मज्ञान, उल्हास कृष्णराव पाटील

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

- मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा स्थूल इतिहास : प्रारंभ ते इ.स. १६०० [DSE 1 C (3+1)]
- मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा स्थूल इतिहास - इ.स. १६०१ ते इ.स. १८१७ [DSE1 D (3+1)]

विद्यापीठ सत्र परीक्षा		
वेळ : ३ तास	**घटकनिहाय प्रश्न तपशील**	**गुण : ७०**
प्रश्न क्रमांक		गुण
प्रश्न १ ला	३ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी ५० शब्दांपर्यंत लिहा. (घटक १,२, ३)	१०
प्रश्न २ रा	३ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी २०० शब्दांपर्यंत लिहा. (घटक १)	२०
प्रश्न ३ रा	३ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी २०० शब्दांपर्यंत लिहा. (घटक २)	२०
प्रश्न ४ था	३ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे २०० शब्दांपर्यंत लिहा. (घटक ३)	२०
सत्र परीक्षा एकूण गुण		**७०**
अंतर्गत मूल्यमापन		
लेखी परीक्षा (घटक १, २ आणि ३)		२०
संशोधनपर प्रकल्प / क्षेत्रकार्य (घटक १, २ आणि ३)		१०
सत्र परीक्षा आणि अंतर्गत मूल्यमापन एकूण गुण		**१००**

विशेष सूचना :

- अंतर्गत मूल्यमापनाचे नियोजन महाविद्यालयाने करावे.
- विद्यार्थ्यांचे अंतर्गत मूल्यमापनविषयक लेखन / तपशील विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार, विहित कालावधीपर्यंत महाविद्यालयाकडे जमा असणे आवश्यक आहे.
- विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार विहित मुदतीत गुण विद्यापीठाकडे पाठवावे.

तृतीय वर्ष कला (T. Y. B. A.)

नियमित अभ्यासक्रम

पहिले सत्र

विषयाचे नाव

वर्णनात्मक भाषाविज्ञान : भाग १ [DSE 2 C (3)+1]

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१ भाषा स्वरूप, वैशिष्ट्ये व कार्ये समजावून घेणे.
२ भाषा अभ्यासाची आवश्यकता स्पष्ट करणे.
३ भाषा अभ्यासाच्या शाखा आणि विविध पद्धतींचा थोडक्यात परिचय करून घेणे.
४ वागिन्द्रियाची रचना, कार्य आणि स्वननिर्मितीची प्रक्रिया समजावून घेणे.
५ स्वनविज्ञान, स्वनिमविचार आणि मराठीची स्वनिमव्यवस्था समजावून घेणे.

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	**भाषा : स्वरूप व संकल्पना** १ भाषा : स्वरूप, वैशिष्ट्ये व कार्ये २ संदेशन : मानव व मानवेतर संदेशन ३ भाषाभ्यासाच्या शाखा (ध्वनिविचार – व्याकरणविचार – अर्थविचार – शब्दसंग्रह - स्थूल परिचय) ४ भाषेच्या अभ्यासाचे महत्त्व व भाषाभ्यासाच्या पद्धती (ऐतिहासिक,वर्णनात्मक, सामाजिक, तुलनात्मक – स्थूल परिचय)	१	१५
२	**स्वनविचार** १ स्वनविज्ञान : स्वरूप व संकल्पना (उच्चारणकेंद्री - संचारणकेंद्री – श्रवणकेंद्री) २ वागिन्द्रीय : रचना व कार्य स्वनांची निर्मितिप्रक्रिया ३ स्वनांचे वर्गीकरण व वर्गीकरणाची तत्त्वे (उच्चारण स्थान, उच्चारण अवयव, प्रयत्न)	१	१५
३	**स्वनिमविचार** १ स्वन -स्वनिम-स्वनांतर (परस्पर संबंध व प्रकार) २ स्वनिमनिश्चितीची तत्त्वे ३ विनियोग संकल्पना (व्यवच्छेदक विनियोग- पूरक विनियोग - मुक्त परिवर्तन) मराठीची स्वनिमव्यवस्था (स्वरस्वनिम - अर्धस्वरस्वनिम - व्यंजन स्वनिम – खंडित व खंडाधिष्ठीत स्वनिम -बलाघात, सुरावली – नासिक्यरंजन - सीमासंधी)	१	१५
४	संशोधनपर प्रकल्प / क्षेत्रकार्य (घटक १, २ आणि ३)	१	१५

दुसरे सत्र

विषयाचे नाव

वर्णनात्मक भाषाविज्ञान : भाग २ - ४ [DSE 2 D (3)+1]

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१. रूपविन्यास आणि मराठीची रूपव्यवस्था समजावून घेणे
२. वाक्यविन्यास आणि वाक्यव्यवस्थेचा मराठी भाषेच्यासंदर्भात परिचय करून देणे
३. अर्थविन्यास या संकल्पनेचा भाषावैज्ञानिक अंगाने परिचय करून देणे

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	**रुपिमविचार** १ रूपविन्यास (संकल्पना) २ रूपिका - रुपिम – रुपिकांतर : स्वरूप व प्रकार ३ रूपिम निश्चितीची तत्त्वे ४ विनियोग संकल्पना ५ प्रकृती आणि प्रत्यय यांचे वर्गीकरण	१	१५
२	**वाक्यविचार** १ वाक्यविन्यास (संकल्पना परिचय) २ घटक आणि रचना : परस्पर संबंध ३ वाक्याचे घटक (उद्देश्य, विधेय) ४ प्रथमोपस्थित संघटक संकल्पना व वाक्यविश्लेषण (शब्द – शब्दबंध – उपवाक्य – वाक्य) ५ वाक्यांचे प्रकार	१	१५
३	**अर्थविचार** १ अर्थ : स्वरूप व संकल्पना २ अर्थविन्यास (संकल्पना परिचय) ३ अर्थाचे वर्गीकरण (प्रकार: सांकल्पनिक अर्थ - साहचर्यपर अर्थ- शैलीगत अर्थ- भावपर अर्थ- परावर्तीत अर्थ - विषय अर्थ) ४ अर्थविन्यासाची व्यापकता (समानार्थी शब्द, अनेकार्थी शब्द – सरूपता – अर्थसमावेश – अर्थविरोध)	१	१५
४	संशोधनपर प्रकल्प / क्षेत्रकार्य (घटक १, २ आणि ३)	१	१५

संदर्भ ग्रंथ :

१. वैखरी, अशोक केळकर

२. भाषाविज्ञान : वर्णनात्मक आणि ऐतिहासिक, मिलिंद मालशे, लोकवाड.मय प्रकाशन,मुंबई.

३. मराठीचा भाषिक अभ्यास, मु.श्री.कानडे

४. वर्णनात्मक भाषाविज्ञान :स्वरूप आणि पद्धती, संपा.कल्याण काळे,डॉ.सोमण

५. आधुनिक भाषाविज्ञान, संपा. कल्याण काळे

६. अभिनव भाषाविज्ञान, डॉ.गं.ना.जोगळेकर

७. वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, डॉ.लीला गोविलकर

८. भाषाशास्त्रविचार, डॉ. र. बा.मंचरकर

९. ध्वनिविचार, ना.गो.कालेलकर, डॉ.प्रभाकर जोशी

१०. सुलभ भाषाविज्ञान, दत्तात्रय पुंडे

११. भाषाविज्ञान परिचय, स.गं.मालशे

१२. सुबोध भाषाविज्ञान, प्र.न. जोशी

१३. आधुनिक भाषाविज्ञान : सिद्धांत,उपयोजन, मिलिंद मालशे

१४. आधुनिक भाषाविज्ञान, डॉ.मिलिंद सं. मालशे

१५. भाषाशास्त्र प्रदीप, संपा. स. गं. मालशे, द. दि. पुंडे, अंजली सोमण

१६. भाषा आणि भाषाविज्ञान, रमेश धोंगडे

१७. मराठीचे वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, डॉ. महेंद्र कदम, स्नेहवर्धन प्रकाशन,पुणे

१८. भाषाविज्ञान परिचय, संपा. डॉ. वसंत शेकडे, संजय नगरकर व इतर, नवनरेंद्र प्रकाशन .

१९. भाषाविज्ञान : संकल्पना व स्वरूप, डॉ.आरती कुलकर्णी

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

- वर्णनात्मक भाषाविज्ञान : भाग १ [DSE 2 C (3)+1]
- वर्णनात्मक भाषाविज्ञान : भाग २ [DSE 2 D (3)+1]

विद्यापीठ सत्र परीक्षा		
वेळ : ३ तास	**घटकनिहाय प्रश्न तपशील**	**गुण : ७०**
प्रश्न क्रमांक		गुण
प्रश्न १ ला	३ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी ५० शब्दांपर्यंत लिहा. (घटक १,२, ३)	१०
प्रश्न २ रा	३ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी २०० शब्दांपर्यंत लिहा. (घटक १)	२०
प्रश्न ३ रा	३ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे प्रत्येकी २०० शब्दांपर्यंत लिहा. (घटक २)	२०
प्रश्न ४ था	३ पैकी २ प्रश्नांची उत्तरे २०० शब्दांपर्यंत लिहा. (घटक ३)	२०
सत्र परीक्षा एकूण गुण		**७०**
अंतर्गत मूल्यमापन		
लेखी परीक्षा (घटक १, २ आणि ३)		२०
संशोधनपर प्रकल्प / क्षेत्र कार्य (घटक १, २ आणि ३)		१०
सत्र परीक्षा आणि अंतर्गत मूल्यमापन एकूण गुण		**१००**

विशेष सूचना :

- अंतर्गत मूल्यमापनाचे नियोजन महाविद्यालयाने करावे.
- विद्यार्थ्यांचे अंतर्गत मूल्यमापनविषयक लेखन / तपशील विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार, विहित कालावधीपर्यंत महाविद्यालयाकडे जमा असणे आवश्यक आहे.
- विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार विहित मुदतीत गुण विद्यापीठाकडे पाठवावे.

तृतीय वर्ष कला (T. Y. B. A.)

नियमित अभ्यासक्रम

पहिले सत्र

विषयाचे नाव

कार्यक्रम संयोजनातील भाषिक कौशल्ये : भाग -१ [SEC 2 C (2)]

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१ कार्यक्रमांचे स्वरूप आणि प्रकार समजून घेणे.
२ कार्यक्रम संयोजनातील भाषिक कौशल्ये प्राप्त करणे.

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	**कार्यक्रमांचे स्वरूप आणि प्रकार** १. कार्यक्रमांचे स्वरूप आणि प्रकार : भाषणे, चर्चासत्रे, परिषदा, गटचर्चा, बैठक, मेळावे, कला – सांस्कृतिक कार्यक्रम, जाहिरात, विपणनविषयक, आभासी २. कार्यक्रम संयोजनातील विविध घटक (आयोजक, प्रायोजक, जाहिरात, निवेदक) आणि त्यांचे कार्य	१	१५
२	**कार्यक्रम संयोजनातील भाषिक कौशल्ये** १ पूर्वतयारी २ कार्यक्रम संयोजनातील भाषेचे महत्त्व ३ कार्यक्रमाची योजना, आखणी आणि रूपरेषा १. कार्यक्रमपूर्व नियोजन २. कार्यक्रमातील विविध घटक ३. भाषेचा वापर : निवेदन, प्रास्ताविक, परिचय, स्वागत,मनोगत,आभार, सूत्रसंचालन. ४. कार्यक्रमपश्चात कामे	१	१५

दुसरे सत्र

विषयाचे नाव

कार्यक्रम संयोजनातील भाषिक कौशल्ये : भाग २ [SEC 2 D (2)]

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्टे :

१ कार्यक्रम संयोजनातील लेखन कौशल्ये संपादन करणे.

२ कार्यक्रम संयोजनातील भाषिक कौशल्ये प्राप्त करणे.

३ आभासी कार्यक्रमांचे भाषिक कौशल्ये संयोजन करणे.

घटक	तपशील	श्रेयांक	तासिका
१	**कार्यक्रम संयोजनातील लेखन कौशल्ये** १ निमंत्रणपत्र व निमंत्रणपत्रिका लेखन २ कार्यक्रमपत्रिका लेखन ३ मानपत्र लेखन ४ बातमी लेखन ५ कार्यक्रम अहवाल लेखन	१	१५
२	**कार्यक्रम संयोजन** १ कविसंमेलन २ वाचन प्रेरणा दिन ३ मराठी भाषा पंधरवाडा ४ मराठी भाषा दिन ५ व्याख्यानमाला ६ पुस्तक प्रदर्शन **आभासी कार्यक्रम संयोजन** १ झूम / गुगल मिट वरील व्याख्यान २ फेसबुक व यूट्यूब वरील कार्यक्रम live करणे वा अपलोड करणे.	१	१५

संदर्भग्रंथ :

१ व्यावहारिक मराठी, पुणे विद्यापीठ प्रकाशन.

२ मराठी भाषेची संवाद कौशल्ये, य. च. म. मुक्त विद्यापीठ, नाशिक.

३ व्यक्तिमत्त्व विकासासाठी संभाषण व लेखन कौशल्ये, संपा. डॉ. पृथ्वीराज तौर, डॉ. शैलेन्द्र लेंडे, डॉ. वंदना महाजन.

४ व्यावहारिक व उपयोजित मराठी, संपादक संदीप सांगळे, डायमंड प्रकाशन.

५ कार्यक्रमाचे प्रभावी संयोजन आणि सूत्रसंचालन, जयप्रकाश बगदे, साकेत प्रकाशन

६ व्यावहारिक मराठी, ल रा. नासिराबादकर, फडके प्रकाशन

७ प्रसारमाध्यमे आणि मराठी भाषा, संपादक डॉ. भास्कर शेळके, कर्मवीर प्रकाशन पुणे

८ व्यावहारिक मराठी, डॉ. लीला गोविलकर, डॉ.जयश्री पाटणकर

९ व्यावहारिक मराठी, डॉ. कल्याण काळे, डॉ. दत्तात्रय पुंडे, निराली प्रकाशन

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

- कार्यक्रम संयोजनातील भाषिक कौशल्ये : भाग १ [SEC 2 C (2)]
- कार्यक्रम संयोजनातील भाषिक कौशल्ये : भाग २ [SEC 2 D (2)]

विद्यापीठ सत्र परीक्षा		
वेळ : २ तास	**घटकनिहाय प्रश्न तपशील**	**गुण : २५**
प्रश्न क्रमांक		गुण
प्रश्न १ ला	दोन पैकी एका प्रश्नाचे उत्तर लिहा. (घटक १)	१०
प्रश्न २ रा	दोन पैकी एका प्रश्नाचे उत्तर लिहा. (घटक २)	१०
प्रश्न ३ रा	दोन पैकी एका प्रश्नाचे उत्तर लिहा. (घटक १ आणि २)	५
एकूण गुण		**२५**
अंतर्गत मूल्यमापन		
लेखी परीक्षा, गृहपाठ, चर्चासत्र, सादरीकरण, समूह चर्चा, प्रकल्प कार्य, अभ्यास भेट यापैकी कोणत्याही दोन प्रकारांतून अंतर्गत मूल्यमापन करावे. (१५+१०)		**२५**
एकूण गुण		**५०**

विशेष सूचना :

- अंतर्गत मूल्यमापनाचे नियोजन महाविद्यालयाने करावे.
- विद्यार्थ्यांचे अंतर्गत मूल्यमापनविषयक लेखन / तपशील विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार, विहित कालावधीपर्यंत महाविद्यालयाकडे जमा असणे आवश्यक आहे.
- विद्यापीठाच्या निर्देशानुसार विहित मुदतीत गुण विद्यापीठाकडे पाठवावे.

SAVITRIBAI PHULE PUNE UNIVERSITY

(Formerly University of Pune)

T.Y.B.A. Political Science & Public Administration Syllabus

(CREDIT & SEMESTER SYSTEM)

Revised Syllabus will be implemented with effect from the academic year 2021-2022

Savitribai Phule Pune University

POLITICAL SCIENCE

Syllabus of T.Y.B.A.

(CBCS pattern to be implemented from 2021-2022)

PAPER NO.	PAPER TITLE
CORE COURSES (C.C.):	
Semester V CC-1 E (3)	**MODERN POLITICAL ANALYSIS**
And	
Semester VI CC-2 E (3)	**MODERN POLITICAL ANALYSIS**
	OR
Semester V CC-1 E (3)	**LOCAL SELF GOVERNMENT IN MAHARASHTRA**
And	
Semester VI CC-2 E (3)	**LOCAL SELF GOVERNMENT IN MAHARASHTRA**

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSE)

Semester V DSE 1 C (3)+1	**PUBLIC ADMINISTRATION**
And	
Semester VI DSE 1 D (3)+1	**PUBLIC ADMINISTRATION**
Semester V DSE 2 C (3)+1	**INTERNATIONAL RELATIONS**
And	
Semester VI DSE 2 D (3)+1	**INTERNATIONAL RELATIONS**

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)
(Value / Skill Based Course)

Semester V SEC 2C (2)	**SAMYUKTA MAHARASHTRA MOVEMENT**
Semester VI SEC 2D (2)	**SAMYUKTA MAHARASHTRA MOVEMENT**

Savitribai Phule Pune University

T.Y.B.A. Political Science

(CBCS pattern to be implemented from 2021-2022)

Core Courses (C.C.)

MODERN POLITICAL ANALYSIS

Objectives:

This course will introduce the overall scope of the sub-discipline of Modern Political Analysis. The focus of the course will be on the Modern Political Analysis of power. The emphasis is on the nature of power in modern societies- more in the form of organizations and social formations than as individual power. Students are also expected to understand different forms of justifications of power and the role of ideology in this regard. State will be studied as a repository of power in society while class and patriarchy are two instance of how the nature of power is shaped by social factors.

SEMESTER-V

CC-1 E (3)

PERIOD

Unit 1: Introduction to Modern Political Analysis **12**

a) Meaning

b) Nature - Difference between Traditional and Modern Political Approach

c) Features of Modern Political Analysis

Unit 2: Political System **12**

a) Meaning and Nature

b) Functions of the Political System

c) Classification of Political System : Gabriel Almond

d) Unit 3: Political culture **12**

a) Meaning

b) Basic Elements

c) Types

d) Unit 4: Political Socialization **12**

a) Meaning

b) Agencies

c) Types

SEMESTER-VI

CC-2 E (3)

Unit 1: Political Participation **12**

a) Meaning & Nature

b) Levels of Participation

c) Factors affecting Political Participation

Unit 2: Political Elite **12**

a) Meaning

b) Nature

c) Different approaches of Mosca, Michels, Pareto, Burnham and C. wright Mills

Unit 3: Political Communication **12**

a) Meaning

b) Nature

c) Agencies of Political Communication

Unit 4: Power, Influence, Authority and Legitimacy **12**

a) Meaning, Nature of Power and Influence

b) Different Types of Authority

c) Different Types of Legitimacy

Readings:

1. Almond G. A and Powell G. B, 1996, *Comparative Politics*, New York City, Little Brown & Co.
2. Almond G. A. and Verba S., 1963, *The Civic Culture*, New Jersey, Princeton University Press.
3. Ball Alan R., 1971, *Modern Politics and Government*, London, Macmillan.
4. Blondel Jean, 1973, *Comparing Political Systems*, London, Weidenfild & Nicolson.

5. Charlesworth James C., 1973, *Contemporary Political Analysis,* New York, The Free Press.
6. Deutsch Karl W., 1963, *The Nerves of Government,* New York, The Free Press.
7. Easton David, 1971, *The Political System,* New York, Scientific Book Agency.

Savitribai Phule Pune University

(Choice Based Credit System-70:30-Pattern)

(w. e. f- 2021-2022)

T. Y. B. A- English

Semesters	New Nomenclature of Courses/Papers	Old Nomenclature of Courses/Papers	Credits
V	CC-Compulsory English	Compulsory English	03
VI	CC-Compulsory English	Compulsory English	03
V	SEC-1-C	G-3	03
VI	SEC-1-D	G-3	03
V	DSE-1-C	S-3	3+1=04
VI	DSE-1-D	S-3	3+1=04
V	DSE-2-C	S-4	3+1=04
VI	DSE-2-D	S-4	3+1=04
V	SEC-2-C	----	02
VI	SEC-2-D	----	02

T. Y. B. A.

Compulsory English

(CC-Core Course- 03 Credit)

Rationale:

The present course is a core course and it basically consists of two components: the literature component and the skills component. The literature component includes some of the best samples of English short stories, essays and poems written by writers of different nationalities (British, American, Indian etc.) This cultural mix is deliberate. We are living in a globalized world and our students need to have at least a cursory acquaintance with different cultures in the outside world. This is particularly important in a pluralistic society like ours. The core course is a part of the humanities. It aims at contributing to the linguistic and communicative abilities of the students. At the same time it also aims at fostering humanitarian attitude in our students and make them better human beings. Our prose and poetry selections in the literature part of the syllabus take care of these humanistic and aesthetic considerations.

The skills component of the syllabus includes language skills (i.e. grammar part and writing skills), soft skills and employability skills. All these are necessary in the contemporary world to make our students confident and enable them to face the real life challenges successfully. The core course is essentially a language course. Linguistic competence is absolutely necessary for achieving success in almost all the fields of life. Hence we have concentrated on

some important aspects of grammar. There are certain writing skills and communicative skills required in all work environments today. These have also been included in the syllabus. Some soft skills and employability skills are necessary from the viewpoint of the employer as well as the employee for his own career advancement. In fact no employee can survive without these skills in the modern day work place. We have kept all these practical considerations in mind while preparing the present syllabus. It is thus a composite course focusing on human values and useful, practical skills.

Objectives:

a) To familiarize students with some excellent pieces of prose and poetry in English so that they realize the beauty and communicative power of English.
b) To enable students to become competent and effective users of English in real life situations.
c) To contribute to the overall personality development of the students.
d) To instill humanitarian values and foster sympathetic attitude in the students.
e) To train the students in practical writing skills required in work environment.
f) To impart knowledge of some essential soft skills to enhance their employability.

***Each** semester shall have 3 credits for teaching. Each credit is equal to 15 hours, so this course shall have 45 teaching hours. In addition to that there shall be 03 hours allotted to internal evaluation. **(3x15=45+3=48).**
***Considering** the choice-based credit system (CBCS) and the semester pattern, both Semesters-V & VI will have a uniform evaluation pattern of 100 marks each. There will be an 'Internal Examination' for 30 marks and 'Semester-end Examination' for 70 marks.
***The Internal** Examination for 30 marks will be conducted at college level.
a) Assignment/group discussion/tutorial/seminar/oral/project for 10 marks
b) A Mid-semester Written Test for 20 marks

SEMESTER-V

Prescribed Text: *Exploring New Horizons* (Ed-Board of Editors- Orient BlackSwan)

Unit-I- Prose (12 Clock Hours)

1. The Phantom Luncheon – Saki
2. Function of Education –J. Krishnamurti
3. God sees the Truth but Waits – Leo Tolstoy

Unit-II- Poetry (12 Clock Hours)

1. The Neutral Tones – Thomas Hardy
2. Strange Meeting – Wilfred Owen
3. Have you got a brook in your little heart – Emily Dickinson

Unit-III- Grammar (08 Clock Hours)

1. Adverbs and their types (manner, place, time, frequency etc.)
2. Synthesis of sentences by using participles, infinitives, adverbials etc.)
3. Types of Sentences according to function: Declaratives, Interrogatives, Imperatives

Unit-IV- Writing (08 Clock Hours)

1. Paragraph Writing
2. Note-making and Note-taking
3. Reference Skills (Using dictionaries/thesaurus/encyclopedias/year books/table of contents/indices etc)

Unit-V- Soft Skills and Employability Skills (05 Clock Hours)

1. Body Language/Non-verbal Communication
2. Tips for Effective Communication
3. Telephone Skills
4. Teleconferences

SEMESTER-VI

Prescribed Text: *Exploring New Horizons* (Ed-Board of Editors-Orient BlackSwan)

Unit-I- Prose (12 Clock Hours)

1. Shakespeare's Sister – Virginia Woolf
2. After Twenty Years – O. Henry
3. The Conjuror's Revenge – Stephen Leacock

Unit-II- Poetry (12 Clock Hours)

1. The Man of Life Upright – Thomas Campion
2. Money Madness – D.H. Lawrence
3. The Toys – Coventry Patmore

Unit-III- Grammar (08 Clock Hours)

1. Transforming Declarative sentences into Yes-No questions
2. Transforming Declarative sentences into Wh- questions
3. Transforming Positive Imperative sentences into Negative imperatives

Unit-IV- Writing (08 Clock Hours)

1. Email Writing
2. Using Graphs and Charts
3. Dialogue Writing

Unit-V- Soft Skills and Employability Skills (05 Clock Hours)

1. Stress Management
2. Motivation and Positive Approach
3. Goal Setting
4. Adaptability Skills

SAVITRIBAI PHULE PUNE UNIVERSITY

(Formerly University of Pune)

T.Y.B.A. Economics Syllabus

(Choice Based Credit System and Semester System)

Revised Syllabus will be implemented with effect from the academic year 2021-2022

T.Y.B.A. Economics

(Sem V & VI)

Semester	Paper Name	Subject Code	Title of the Paper
V	Economics General - III		Indian Economic Development- I
	Economics Special - III		International Economics-I
	Economics Special - IV		Public Finance- I
	Skill Enhancement Course (SEC-3A)		Business Management- I
VI	Economics General - III		Indian Economic Development- II
	Economics Special - III		International Economics- II
	Economics Special - IV		Public Finance- II
	Skill Enhancement Course (SEC-3A)		Business Management- II (Project Report)

T.Y.B.A. Economics
General Paper-III: Indian Economic Development-I
(Course Code:)
Semester V

Preamble:

The course will be useful for learners aiming towards careers in the government sector, policy analysis and the social sector. This course would take an overview of aspects of economic development with special reference to India.

The course aims to introduce the learner to the main concepts in economic and human development, equip them compare and contrast different economies: recognize various indicators of economic and human development. The course will also provide a broad outline of the Sustainable Development Goals.

Course Learning Outcomes

At the end of the course the learner will have ability -

- To relate and recognize the concept and indicators of Economic Development.
- To describe and analyze the concept and indicators of Human Development.
- To explain the characteristics of Developing and Developed Countries.
- To describe the constraints to the process of Economic Development.

Unit No.	Name and Sub Titles of the Topic	No. of Lectures
1	**Economic Development and Growth**	10
	1.1 Economic Development: Meaning, Definition and Indicators	
	1.2 Economic Growth: Meaning, Definition and Indicators	
	1.3 Need and Importance of Economic Development	
2	**Developed and Developing Countries**	14
	2.1 Concepts of Developed and Developing Countries	
	2.2 Characteristics of Developed Countries	
	2.3 Characteristics of Developing Countries : Economic, Demographic, Technological, Social and Political	
	2.4 India as an Emerging Economy	
3	**Constraints to Development Process**	12
	3.1 Vicious Circle of Poverty	
	3.2 Capital Constraints	
	3.3 Technology Constraints	
	3.4 Socio- Cultural Constraints	
	3.5 Political and Administrative Constraints	
	3.6 External Bottlenecks	
4	**Human Resources and Economic Development**	12
	4.1 Role of Human Resources in Economic Development	
	4.2 Human Development Index and India	
	4.3 Concepts of Physical Quality of Life Index:	
	Gender Development Index Gender Inequality Index Multidimensional Poverty Index	

Recommended Books -

- Ragnar Nurkse, Problem of Capital Formation in Underdeveloped Countries.
- Sen Amartya (1970), Growth Economics, Penguin.
- Zhingan M.L.(1982), The Economics of Development and Planning. Vrinda Publication (P) Ltd.
- Adelmen, I. (1961), Theories of Economic Growth and Development, Stanford University Press, Stanford.
- Avhad Suhas (2015), 'Economics of Growth and Development' (Marathi Edition) Success Prakashan, Pune
- Behrman, S. and T.N Srinivasan,(1995) Handbook of Development Economic, Vol. 1 to 3, Elsevier, Amsterdam,
- Chenery H. and T.N.Srinivasan, (1989) Handbook of Development Economics Vo1&2, Elsevier. Amsterdam.
- Dasgupta p. (1993) An Enquiry into Well Being and Destitution.
- Dhage S.K. (2015),Indian Economy (Marathi Edition) K.S. Publication,Pune.\
- Wavare A. (2017), Development and Planning Economics (Vikas va Niyojanache Arthshastra - Marathi Edition)
- Datir R.K.(2013), Vikas ani Paryavarniy Arthshastra, Nirali Prakashan, Pune.
- Rasal Rajendra (2020), Indian Economy (Marathi), Success Publication Pune, 7th edn.
- Ghatak,S.(1986), An Introduction to Development Economics,Allen and Unwin, London,
- Ghosh. B.N.(1982) Economic Development and Planning National Book House.
- Grillis M., D H. Perkins, M.Romer and D.R.Snodgrass (1992) Economic of Development (3rdEdition) W.W.Norton, New York.
- Patil J.F.(2014),Growth And Development economics (Vruddhi Va Vikasache Airthshastra, Phadke Prakashan - Marathi Edition)
- Higgins, Benjamin. (1959) Economic Development, W.W.Norton , New York
- Jennifer A. Elliott, (2013), An Introduction to Sustainable Development (Fourth Edition), Routledge Publication, London and New York.
- Kindleberger C.P.(1977),Economic Development (3rd Edition) McGraw Hill, New York.
- Jagdish Bhagwati,The Economics Of Underdeveloped Countries.
- Mahata J.K.(1964) Economic of Growth, Asia.
- Meaer and Baldwin(1970) Economic Development, Asia .
- Mehata J.K.(1971) Economic Development , Chaitanya.
- Kute Santosh and Rithe (2019) ,Demography , Prashant Publication Jalgaon.
- Mishra &Puri, Development and Planning- Theory And Practice, Himalaya.
- Meier, G.M. (1995) Leading Issue in Economic Development,6ed,Oxford University Press ,New Delhi,
- Todaro M.P. (1996) Economic Development (6th Edition) Longman, London.
- UNDP, Human Development Report [Latest]
- World Development Reports
- India Development Reports

T.Y.B.A. Economics
General Paper- III: Indian Economic Development-II
(Course Code:)

Semester VI

Preamble:

This course would take an overview of the process of Economic Planning and the Development Goals. The course aims to introduce the learner to the main concepts in Economic Planning, equip them with understanding of the planning process in India and changing in recent times and familiarize them to the Sustainable Development Goals. The Course also reviews the relation between Economic Development and Environment.

Course Learning Outcomes

At the end of the course the learner will have ability-

- To describe and explain the process of Economic Planning.
- To describe and examine the changing structure of planning process in India.
- To describe and explain the relation between Economic Development and Environment.

Unit No.	Name and Sub Titles of the Topic	No. of Lectures
1	**Economic Planning**	12
	1.1 Economic Planning – Meaning, Definition and Features	
	1.2 Need of Economic Planning	
	1.3 Objectives of Economic Planning in India	
2	**National Institution for Transforming India Aayog (NITI Aayog)**	12
	2.1 NITI Aayog- Objectives and Structure	
	2.2 Role of NITI Aayog	
	2.3 Difference between Planning Commission and NITI Aayog	
3	**Sustainable Development**	12
	3.1 Sustainable Development **:** Meaning and Importance	
	3.2 17 SDGs (Sustainable Development Goals)	
	3.3 Measures for Sustainable Development	
	3.4 Current Scenario of SDG in India	
4	**Environment and Economic Development**	12
	4.1 Relation between Environment and Economic Development	
	4.2 Environment and Sustainable Development	
	Environmental Policies in India: National Conservation Strategy (1992) - Highlights National Environmental Policy (2006) - Highlights	
	4.4 Global Warming	

Recommended Books -

- Ragnar Nurkse, Problem of Capital Formation in Underdeveloped Countries.

- Sen Amartya (1970) Growth Economics, Penguin.
- Zhingan M.L. (1982) the Economics of Development and Planning. Vrinda Pub.(P) Ltd.
- Adelmen, I. (1961) Theories of Economic Growth and Development, Stanford UniversityPress, Stanford.
- Avhad Suhas (2015), 'Economics of Growth and Development' (Marathi Edition)Success Prakashan, Pune
- Behrman, S. and T.N Srinivasan,(1995) Handbook of Development Economic, Vol. 1 to3, Elsevier, Amsterdam,
- Chenery H. and T.N.Srinivasan, (1989) Handbook of Development Economics Vo1&2,Elsevier. Amsterdam.
- Dasgupta p. (1993) an Enquiry into Well Being and Destitution.
- Datir R.K. (2013) Vikas ani Paryavarniy Arthshastra, Nirali Prakashan, Pune.
- Ghatak,S.(1986) An Introduction to Development Economics,Allen and Unwin, London,
- Ghosh. B.N.(1982) Economic Development and Planning National Book House.
- Grillis M., D H. Perkins, M.Romer and D.R.Snodgrass (1992) Economic of Development(3rdEdition) W.W.Norton, New York.
- Higgins, Benjamin. (1959) Economic Development, W.W.Norton , New York
- Jennifer A. Elliott, (2013), an Introduction to Sustainable Development (Fourth Edition),Routledge Publication, London and New York.
- Kindleberger C.P. (1977) Economic Development (3rd Edition) McGraw Hill, New York.
- Jagdish Bhagwati,The Economics Of Underdeveloped Countries.
- Mahata J.K. (1964) Economic of Growth, Asia.
- Meaer and Baldwin (1970) Economic Development, Asia .
- Mehata J.K.(1971) Economic Development , Chaitanya.
- Mishra &Puri, Development and Planning- Theory And Practice, Himalaya.
- Meier, G.M. (1995) Leading Issue in Economic Development,6ed,Oxford UniversityPress ,New Delhi,
- Todaro M.P. (1996) Economic Development (6th Edition) Longman, London.
- UNDP, Human Development Report [Latest]
- World Development Reports
- India Development Reports

General -3 Crime and Society Semester V

Objectives:

1. To acquaint the students with recent trends in criminology, changing profile of crime and criminals.
2. To acquaint the students with different sociological approaches to crime.
3. To prepare the students for professional roles as correctional agents in agencies of criminal justice administration.

Unit –I: Concept and approaches to Crime (15)

1. Crime: Definition, Characteristics and Causes of Crime (social, economic, political and cultural.)

2. Approaches to Crime: Functionalist perspective: Emile Durkheim (Crime as inevitable), Interactionist perspective: Howard Becker (Labelling theory), Marxist perspective: William Chambliss (Capitalism and crime) and Neo-Marxist perspective: Ian Taylor, Paul Walten and Jock Young (The new criminology)

Unit –II: Major Forms and Changing Profile of Crime in India(15)

1. Crimes against SCs, STs and DTNTs, Crimes against Women, Juvenile delinquency and crimes against children: Meaning, features and causes

2. White collar crime, Cybercrime: Meaning features and causes.

Unit –III: Recent Trends and Prevention of Crime (15)

1. Criminalization of politics, Environmental crimes, Terrorism: Meaning, features and causes

2. Prevention of Crime: Punishment, Prison and alternative imprisonment (Open prison, Probation, Parole), Rehabilitation of prisoners, Crime and the role of media

Essential Readings:

1. Ahuja, Ram.2001.*Criminology*. Jaipur: Rawat Publications.
2. Ahuja, Ram. 2014.*Social Problems in India*. Jaipur: Rawat Publications.
3. Ahuja , Ram.1987. *Crime Against Women* .Jaipur :Rawat Publication.
4. Bhosale, Smriti. 2009. *Female Crime in India*. New Delhi: Kalpaz Publications.
5. Gill, S.S. 1998. *The Pathology of Corruption*. New Delhi: Harper Collins Publishers.
6. Haralambos and Holborn. 2007. Sociology: Themes and Perspectives. London: Collins.
7. Radhakrishna, M. 2007. Urban Denotified tribes: Competing Identities, Contested Citizenship. EPW. Vo. 42. No 51. (Dec 22-26, 2007) pp. 59-64.
8. Sutherland, Edwin and Donald R. Creassy. 1968. *Principals of Criminology*. Bombay: Times of India Press.

References:

1. Das, Shankar and Rani Dhavan. 2000. *Punishment and the Prison- India and International Perspective*. New Delhi: Sage Publication.
2. Goel, Rakesh and ManoharPowat. 1994. *Computer Crime: Concept, Control and Prevention*. Bombay: Saymson Computers Pvt.Ltd.
3. Kolekar, S. Violence Against Nomadic Tribes. Vol 43. Issue No. 26-27.28 June 2008.
4. Patric, Ryan and George Rush. 1997. *Understanding Organized Crime in Global Perspective*. London: Sage Publication.

General 3 (optional) –Work and Society

Semester – V

Objectives

1. To develop in students a sociological understanding of the concept of work, it's changing nature and impact on society
2. To introduce students to types of organizations in industrial and post-industrial society
3. To expose students to the impact of New Economic Policies on formal and informal sector

Unit I: Meaning and Significance of the Concept of Work (15)

1. Meaning, importance and characteristics of the concepts of formal and informal work
2. Historical overview of work - Gathering-hunting, manorial, guild system, domestic/putting out system, factory system and post-industrial production
3. Types of organizations – Bureaucracy: characteristics and problems, Taylorism: Scientific Management, Fordism, Japanese model and human resource management

Unit II: Contemporary Theorization of Work: Major Concepts (16)

1. Informalization – Keith Hart, ILO, Jan Breman
2. Feminization – Guy Standing, Linda McDowell
3. MacDonaldization – George Ritzer
4. Deskilling – Harry Braverman
5. Brave New World of Work – Ulrich Beck
6. Surveillance – Michel Foucault
7. Emotional Labour – Arlie Hochschild

Unit III: The Information Revolution, Growth of Service Sector and the New International Division of Labour (14)

1. The role of Multi National Companies (MNCs) and their impact on nature of work and International Division of Labour
2. Nature of work in post-industrial society – flexibilization, casualization, footloose labour, outsourcing/sub-contracting

General -3: Introduction to Human Rights and Social Justice

SEM- VI

Objectives

1. To enhance the knowledge, understanding and awareness of students about human rights and social justice
2. To develop skills related to protection of human rights and ensuring of social justice
3. To promote respect for all through knowledge of human rights

Unit I: Basic Concepts in Human Rights and Social Justice (18)

1. Human Rights – Definition, Meaning and Characteristics
2. Social Justice - Meaning, Types and Principles (Equity, Participation, Diversity and Human rights)
3. Significance of Human Rights and Social Justice
4. Universal Declaration of Human Rights-Significance and Preamble

Unit II: Constitution, Human Rights and Social Justice in Indian Context (15)

1. Preamble to the Constitution of India
2. Human rights in Indian Constitution
3. Social Justice in the Context of Caste, Gender, Age, and Sexual Group) (Justice to the aged and children) in India
4. Human Rights and Minorities in India

Unit III: Emerging Issues of Human Rights and Social Justice (12)

1. Right to Information
2. Right to Privacy: Social Media and UID (Aadhar Card)
3. Right to Healthcare and Public Health
4. Rights of Differently Able

Essential Readings

1. Bardhan, Pranab. 2001. 'Social Justice in the Global Economy', *EPW*. XXXVI, Feb 3-10, pp- 467-480

2. Basu, D. D. 2002. *Introduction to the Constitution of India.*Wadhawa Law Pub, Nagpur.
3. Burawoy, Michael. 2006. A PUBLIC SOCIOLOGY FOR HUMAN RIGHTS, Introduction to Judith Blau and Keri Iyall-Smith, *Public Sociologies Reader*, Rowman and Littlefield Pub.
4. Desai, A.R. 1986. *Violation of Democratic Rights in India.* Vol. I. Bombay Popular Prakashan.
5. Desai, A.R. 1990. *Repression and Resistance in India: Violation of Democratic Rights of the Working Class, Rural Poor, Adivasis and Dalits.* Bombay Popular Prakashan.
6. Diwan, Paras and Peeyushi Diwan. 1994. *Children and Leagal Protection*. New Delhi: Deep and Deep
7. Falk, Richard. 2000. *Human Rights Horizons*: *The Pursuit of Justice in a Globalizing World*. Routledge, New York.
8. Haragopal, G. 1997. *Political Economy of Human Rights.* Himalaya Publishing House, Mumbai.
9. Henkin, Louis. 1978. *The Rights of Man Today.* Stevens and Sons, London.
10. Jogdand, P.G. etal. (Eds.). 2008. *Globalisation and Social Justice*. Rawat Pub, Jaipur.
11. Khanna, S.K. 1998. *Children and Human Rights*. New Delhi: Commonwealth
12. Miller, D. 1999. 'Justice and Global Inequality', in A. Hurrell and N.Woods (Eds.) *Inequality, Globalization and World Politics*. Oxford University Press, Oxford.
13. Nagel, T. 2005. 'The Problem of Global Justice', *Philosophy & Public Affairs* 33:11
14. Sengupta, Arjun. 2001. 'Right to Development as a Human Right', *EPW*. XXXVI, pp-467-480
15. Sengupta, Indrani. (Ed.). 2005. *Human Rights of Minority and women's.* Isha Book, Delhi.
16. Stephen, Marks. 2003. Introduction to "The Right to Development: A Primer", Sage, New Delhi, pp25
17. Tyler, T. R. and others. 1997. *Social Justice in a Diverse Society*. Boulder.

References

1. Dermot, Groome. 2001.*The Handbook of Human Rights Investigations.* Human Rights Press, Northborough, MA.
2. Hayner, Priscilla. 2001.*Unspeakable Truths: Confronting State Terror and Atrocity*. Routledge, New York.
3. Nilsen, Alf Gunvald. 2005. Social Movements from above and below at the Dawn of the New Millennium: Whose Rights? Whose Justice? Paper for the "Navigating Globalization" conference, NTNU, Trondheim, Norway.
4. Robertson, A. H. 1972. *Human Rights in the World*. Manchester University Press.
5. UN Center for Human Rights. 1997. *The Rights of the Child.* Geneva: World Campaign for Human Rights
6. UNDP. Human Development Reports(all)

General

3

W

o

r

k

a

n

d

S

o

– V I

Objectives

1. To expose students to the impact of New Economic Policies on nature of work in India
2. To make students aware of the problem in the informal sector In India

Unit I: New Economic Policies and their impact on primary and secondary sectors in India

(15)

1. New Economic Policy and its impact on primary sector: agriculture and allied, mining,fishing, forestry and on people working in them
2. New Economic Policy and its impact on secondary sector: manufacturing sector andlabour working in it

Unit II: Service Sector (Tertiary Sector): Its Growth in India and Service Work(15)

1. Growth of Service Sector in India in neo-liberal economy (IT, BPO, Retail, Hospitalityand so on)
2. Nature of work and labour practices in service industry
3. Social composition of service labour in India (caste, class, gender, ethnicity, region,religion)

Unit III: Rising Informalization of Indian Labour (15)

1. Nature of Informal work – working conditions: social security, nature of contract, work hours, payments, leaves, and so on
2. Informalization

and migrant labour in India

3. Informalization of labour and collective action (impact on trade unions)

Essential Readings

1. Aggarwal, A. 2012. India's Service Sector: Gateway to Development? *Economic andPolitical Weekly.* XLVII (26 & 27)
2. Bhowmik, S. 2012. *Industry, labour and society*. New Delhi: Orient Black Swan
3. Breman,J. 2008.*Omnibus*. New Delhi: Oxford University Press
4. Breman, J. 1996. *Footloose labour: Working in India's informal economy*. Cambridge:Cambridge University Press
5. Giddens, A.2006.*Sociology*. London: PolityPress
6. Jha, P. 2016. *Labour in Contemporary India.*New Delhi: Oxford University Press
7. Kanji N. & Menon-Sen, K. 2001. What does the feminization of labour mean for sustainable livelihoods? *International Institute for Environment and Development*, World Summit for Sustainable Development, August.
8. Macionis,J. 2006.*Sociology*. New Delhi: Pearson
9. Madheswaran, S.&Attewell, P. 2007. Caste discrimination in the Indian urban labour market: Evidence from the National Sample Survey. *Economic and Political Weekly.* 42(41). 4146-4153
10. Nayyar, G. 2012. *The service sector in India's development*. New York: CambridgeUniversity Press
11. Smith, V. (Ed.).2013. *Sociology of Work: An Encyclopedia.* Vol. I & II. New Delhi:Sage reference(Use these volumes for all concepts included in this syllabus)
12. Watson, T. J. 1996. *Sociology of Work and Industry*. New York: Routledge
13. Wharton, A.S. 2013. Emotional Labour. In Smith, V. (ed.) *Sociology of Work:An Encyclopedia*(Vol. I). New Delhi: Sage reference

References:

1. Bagchi, Amiya. (ed.). 1994. *New Technology and the Workers Response: Micro-elec*

tronics, Labour and Society. Delhi: Sage Publications

2. Bannerji, N. 1991.*Women in Changing Industrial Scenario*. Delhi: Sage Publications
3. Barse, Myrtle. *From Blue Collar to No Collar*. Delhi: St. Paul's Publishing House
4. Bhowmik S.K. 2014. (Ed.). The State of Labour: The Global Financial Crisis and Its Impact. New Delhi: Routledge
5. Bhowmik, SharitK. 2002. "*India" in Worlds of Work: Building an International Sociology of Work.* in Cornfield, D. and Hodson, R. (Eds.). New York: KluwerAcademic/Plenum Publishers.
6. Bhowmik, Sharit K. 2004. *Working in globalizing economy: Reflections on outsourcing in India. Labour, Capital and Society*.37(1&2).
7. Bhowmik, Sharit K. 2009. "*India: Labour Sociology Searching for Direction" in Work and Occupations*.Volume36, Number 2, Sage Publications.
8. Dutt, R. (Ed.). 1997. *Organizing the unorganized workers*. New Delhi: Vikas Publications.
9. Hochschild, A. 1983. *The managed heart: commercialization of human feelings*.Berkeley: University of California Press
10. Holmstrom, M. 1986.*Industry and Inequality: Towards a Social Anthropology ofIndian Labour*. Cambridge University Press.
11. Jogdand, P. 2001. *New economic policy and dalits*. Jaipur: Rawat Publication
12. Kalpagam, Uma. 1994. *Gender and Labour*.Delhi: Sage Publications
13. National Commission for Enterprises in Unorganized Sector. 2007. 'Report on Conditions of Work and Promotion of Livelihoods in the Unorganized Sector'. *NCEUS*,New Delhi: Government of India
14. Nayak, N. 2005. Social Security for the Unorganized Sector. *Economic and PoliticalWeekly*. May 28-June 4. 2231-2233
15. Patel, S. 1998. Work and Workers in Mumbai, 1930s-90s: Changing Profile, EnduringProblems. *Economic and Political Weekly*. 33(46). 2904-2908
16. Ramesh, Babu. 2004. "*Cyber Coolies in BPO: Insecurities and Vulnerabilities of Non*

Standard work", Economic and Political weekly, 31 January, pp. 492-497.

17. Sen, Sukomal. 1990. *Trade Union Movement in India.* Kolkata: K. P. Bagchi and Co
18. Shramashkati. 1987. National Commission (appointed by the Government of India) onSelf Employed Women and Women in the Informal Sector in India. New Delhi: GOI.
19. Sinha,B. 1990. *Work Culture in the Indian Context*. Delhi: Sage Publications.
20. Standing, G. 1999. Global Feminization through Flexible Labour: A Theme Revisited. *World Development*. 27(3). 583-602
21. Sweet, S. & Meiksins P. 2017. *Changing Contours of Work: Jobs and Opportunities inthe New Economy.* New Delhi: Sage
22. Tambe, S. 2015. Washing the dirty linen: The case of women domestic workers'associations in India. *Guru Nanak Journal of Sociology*. XXXVI (1-2). 23-38
23. Watson, T. 2006. *Sociology, Work and Industry.* London: Routledge
24. Wharton, A. S. 2009. The Sociology of Emotional Labour. *Annual Review of Sociology.* V. 35
25. Yates, M. 1994. *Longer Hours, Fewer Jobs*. New York: Monthly Review Press
26. Yates, M. 2009. *Why Unions Matter*. New York: Monthly Review Press